राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 20 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-211 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब के होटल से 38 युवक-युवतियां गिरफ्तार, 10 लाख कैश पकड़ा

कपूरथला। पंजाब के कपूरथला में साइबर क्राइम टीम और फगवाड़ा पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने होटल के पार्टी हॉल से चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारकर 38 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें 32 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल हैं। आरोपियों का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ था, जिनमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, झारखंड, नागालैंड, जम्मू-कश्मीर, मेघालय, पश्चिम बंगाल और पंजाब शामिल हैं। यह गैंग बैंक या टेक कंपनी का कर्मचारी बनकर लोगों को फोन करता था। फिर स्क्रीन शेयरिंग ऐप के जरिए मोबाइल या कंप्यूटर हैक कर लेता था। इसके बाद लोगों की बैंक डिटेल्स और पासवर्ड लेकर लाखों रुपए की ऑनलाइन ठगी करता था। पुलिस ने मौके से 40 लैपटॉप, 67 मोबाइल फोन और 10 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। सभी आरोपियों पर केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। साइबर क्राइम थाना कपूरथला की इंस्पेक्टर अमनदीप कौर को देर रात गुप्त सूचना मिली कि चहल नगर, फगवाड़ा स्थित ताज विलास एंड होटल की पहली मंजिल पर बने पार्टी हॉल में फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है।

यूपी में बिजली गिरने से 7 की मौत, मकान जला

हिमाचल में बादल फटा-लैंडस्लाइड; उत्तराखंड में 16 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

नई दिल्ली। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर में 18 सितंबर की रात बादल फटा था। इसके बाद से 14 लोग लापता थे। कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटना के 16 घंटे बाद एक शख्स को मलबे से जिंदा रेस्क्यू किया गया। यहां पर 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हैं। देहरादून-मसूरी रोड अभी भी क्षतिग्रस्त है। मसूरी में मौजूद 2 हजार के करीब टूरिस्ट्स सेफ हैं। इधर, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ। कौशांबी में बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हुई। इधर, उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। जौनपुर में 3, कौशांबी में 2 और हमीरपुर-चंदौली में 1-1 की जान गई है। प्रतापगढ़ के गोविंदपुर गांव में बिजली गिरने से एक घर में आग लग गई, हालांकि काबू पा लिया गया है। शिमला की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सर्कुलर रोड बंद है। एडवर्ड स्कूल की आज और कल की छुट्टी की गई है। कुमारसैन की करेवथी में भी तीन मंजिला मकान धंसा गया। राज्य में बाढ़-बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक आज पंजाब के कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। भाखड़ा बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। आज बांध का जलस्तर 1677.68 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1680 फीट से करीब 2.32 फीट कम है। एहतियातन बांध के

चारों फ्लड गेट एक-एक फुट तक खोले गए हैं। फिलहाल बांध में पानी की आमद 56,334 क्यूसेक है, जबकि टरबाइनों और फ्लड गेटों के जरिए 40,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन 1 जून से 18 सितंबर के बीच 1019.4 बारिश हो चुकी है। जो सामान्य तौर पर 698.3 होती थी। यानी 46% ज्यादा बारिश हुई है। सबसे ज्यादा 1901.2 बारिश मंडी जिले में हुई। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। आज 39 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हो गया। वाटर लेवल 870.4 फीट पार होने पर सिंचाई विभाग ने तीन गेट खोल दिए। यह प्रदेश का सबसे बड़ा है। कौशांबी में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची झुलस गई।हैदराबाद में गुरुवार को हुई तेज बारिश के कारण शहर भर सड़कों में पानी भरा हुआ है। निचले इलाके में मौजूद घरों में भी बारिश का पानी भर गया है। पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी होने लगी है।वहीं, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई जिलों से भी मानसून लौटा है। गुरुवार को भी कई जिलों से मानसून लौट गया। यदि वापसी ही यही रफ्तार रही तो एमपी के भी कई जिलों में ऐसी स्थिति बन सकती है।

राजनाथ सिंह बोले: पाकिस्तान सोचता था हमलों से हम डर जाएंगे

1965 जंग की डायमंड जुबली कार्यक्रम में पहुंचे राजनाथ सिंह, कहा-आतंकियों को हमने सबक सिखाया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में 1965 की जंग के 60 साल पूरे होने पर एक खास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम भारतीय सेना ने आयोजित किया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को लगता था कि अचानक किए गए आतंकी हमलों से हम डर जाएंगे, वो ये नहीं जानते कि भारत का हर सैनिक देश की एकता और अखंडता से समझौता नहीं कर सकता। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ठान लिया था कि पाकिस्तान को सबक सिखाना है। हमने उन्हें ऐसा सबक सिखाने की ठानी जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। कार्यक्रम में उन्होंने उन बहादुर सैनिकों और शहीदों के परिवारों से मुलाकात की जिन्होंने 60 साल पहले पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में भारत को जीत दिलाई थी। कार्यक्रम में जनरल

उपेंद्र द्विवेदी, वेस्टर्न कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, दिल्ली एरिया के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल भावनीश कुमार साथ ही अन्य बड़े अधिकारी मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद की बहादुरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब्दुल हमीद ने आसल उत्तर की लड़ाई में अकेले ही पाकिस्तान के कई टैंकों को बर्बाद कर दिया था। रक्षा मंत्री ने कहा- हमारे बहादुर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि वीरता हथियार के आकार की बात नहीं है, बल्कि दिल बड़ा होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने

इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को सबक सिखाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा- पहलगाम में हुआ कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला आज भी हमें दर्द देता है। इसने हमें हिलाया लेकिन हमारे हौसले को तोड़ा नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की ठानी जिसकी वे कभी कल्पना भी नहीं कर सकते थे। ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे दुश्मनों को दिखा दिया कि हम कितने मजबूत हैं। रक्षा मंत्री ने सैनिकों और उनके परिवारों के लिए सरकार के वादे दोहराए। उन्होंने कहा कि सेवा में लगे सैनिकों, रिटायर हो चुके सैनिकों और शहीदों के परिवारों की भलाई सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार फौज को आधुनिक हथियार दे रही है, सैनिकों को बेहतर ट्रेनिंग दे रही है और उनके उपकरणों को अपग्रेड कर रही है। इसका मकसद यह है कि हमारी फौज को कभी भी किसी चीज की कमी न हो। वहीं, दिल्ली के एक कार्यक्रम में एयर चीफ मार्शल ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में सबसे अहम कारक राजनीतिक इच्छाशक्ति थी । उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व ने वायुसेना को पूरी आजादी दी और किसी प्रकार की पाबंदी नहीं लगाई । वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह ऑपरेशन तीनों सेवाओं - वायुसेना, थलसेना और नौसेना - के बीच बेहतरीन तालमेल और एकता का परिणाम था ।

हरियाणाः मंत्री की सभा में घुसा सांड

पलवल। हरियाणा के पलवल में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम की सभा में अचानक सांड घुस गया। यहां ग्रामीणों का धरना समाप्त कराने पहुंचे मंत्री सभा के बाद मीडिया से बातचीत करने के लिए खड़े हुए थे। तभी बेसहारा सांड मंत्री की टोली की तरफ तेजी से आया। लोगों ने मंत्री जी-हटिये-हटिये, बचिये-बचिये, चिल्लाना शुरू की दिया। सांड के एकदम आने से मंत्री भी घबरा गए और मीडिया से बातचीत करना छोड़ तुरंत अपनी गाड़ी की तरफ लपके। उसके बाद बिना बात किए ही धरनास्थल से निकल गए। इससे पहले मंत्री के संबोधन के दौरान बिजली गुल हो गई, जिसके बांद मंत्री मे बिना माइक के ही लोगों से संवाद किया। गांव फिरोजपुर में नगर परिषद ने 6 साल पहले डंपिंग यार्ड बनाया था। अब कचरे से ग्रामीण परेशान हैं। लोगों का कहना है कि सारा दिन बेसहारा पशु यहां घूमते रहते हैं, जिससे सड़क हादसे भी होते हैं। बदबू से जीना दुश्वार है और बीमारियां फैल रही हैं।

पूर्णिया में दुर्गा प्रतिमाएं तोड़ने का आरोप, तोड़फोड़-आगजनी

गुस्साई भीड़ ने मुस्लिम युवक को पीटा, फायरिंग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

पूर्णिया। शुक्रवार को मां दुर्गा की टूटी मूर्तियां मिलने के बाद बवाल हो गया। मजगामा हाट इलाके में भीड़ ने आगजनी की है। कई दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई है। फायरिंग भी हुई है। फायरिंग में एक युवक की पीठ में गोली लगी है। उसे GMCH में भर्ती कराया गया है। मूर्तियों को तोड़ने का आरोप मुस्लिम युवक पर लगा है। गुस्साई भीड़ ने मुस्लिम युवक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। पिटाई के बाद लोगों ने युवक के दोनों हाथ रस्सी से बांध दिए और बाजार में घुमाते हुए पुलिस को सौंप दिया। युवक को गांव के ही कम्युनिटी हॉल में पुलिस ने रखा है। भीड़ आरोपी को उनके हवाले करने की मांग कर रही है। पुलिस लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस दौरान मामला बढ़ गया। लोग गुस्से में ज्यादा तोड़फोड़ करने लगे, मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया है।

आसपास के जिलों से भी पुलिस फोर्स बुलाई गई है। एक हजार से ज्यादा लोग कम्युनिटी हॉल के बाहर खड़े हैं। वो मुस्लिम युवक को उनके हवाले करने की मांग पर अड़े हैं। गांव के शंकर सिंह ने बताया कि, 'दुर्गा पूजा को लेकर मजगामा हाट में मां दुर्गा की प्रतिमा बनाई जा रही है। कल रात यानी गुरुवार की रात कुछ लोगों ने मंदिर के अंदर से मुस्लिम युवक को बाहर आते देखा था। आज सुबह गांव के लोग मंदिर से होकर गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर निर्माणस्थल पर बनाई जा रही मां दुर्गा की क्षतिग्रस्त मूर्तियों पर पड़ी। इसी के बाद गांव में शोर हुआ।

इसके बाद आसपास के हजारों लोग मंदिर के बाहर जुट गए। मां दुर्गा की प्रतिमा तोड़े जाने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने घटना के विरोध में सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया।' शंकर सिंह ने आगे कहा, 'इस बीच गांव का एक शख्स वहां पहुंचा। उसने बताया कि कल रात उसने मंदिर के अंदर से एक मुस्लिम युवक को निकलते देखा था। उसकी हरकतें संदिग्ध थीं। मगर हड़बड़ी में होने की वजह से उस वक्त गौर नहीं किया। वो उसे देखकर पहचान सकता है। इसके बाद रूप रंग और कद काठी बताने पर लोगों ने उसी पहचान कर ली। जिसके बाद गुस्साए लोगों ने युवक को पकड़ा और उसकी जमकर पिटाई की।

सुप्रीम कोर्ट बोला: मैसूर दशहरा सरकारी आयोजन, लोगों में फर्क क्यों

कितनी बार कहें मामला खारिज; कर्नाटक सरकार ने मुस्लिम लेखिका को चीफ गेस्ट बनाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मैसूर चामुंडी मंदिर में दशहरा उत्सव के उद्घाटन में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। कार्यक्रम 22 सितंबर को होगा। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी सुरेश ने दलील दी कि किसी गैर-हिंदू व्यक्ति को पूजा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने उनके इस तर्क पर कहा- खारिज। एडवोकेट सुरेश ने दलील दी कि मंदिर के अंदर पूजा को धर्मनिरपेक्ष कार्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा- यह पूरी तरह से राजनीतिक है। कोई कारण नहीं है कि उन्हें धार्मिक उत्सव के लिए मंदिर के अंदर लाया जाए। जस्टिस नाथ ने फिर दोहराया- खारिज। सीनियर एडवोकेट ने बिना फिर आरोप लगाया कि आमंत्रित अतिथि मुश्ताक ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं, इसलिए ऐसे व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जा सकता। जस्टिस नाथ ने कहा- मामला खारिज कर दिया गया है। हमने तीन बार खारिज कहा है। और कितनी बार खारिज

करने की जरूरत है? दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने16 सितंबर को कहा था कि किसी विशेष धर्म या आस्था को मानने वाले व्यक्ति का किसी दूसरे धर्म के त्योहारों में शामिल होना संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। 62 साल की बानू मुश्ताक कन्नड़ लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और किसान आंदोलनों और कन्नड़ भाषा आंदोलनों से जुड़ी रही हैंयाचिकाकताओं ने तर्क दिया था कि बानू के लिए हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होना गलत होगा। क्योंकि इन अनुष्ठानों में पवित्र दीप जलाना, देवता को फल-फूल चढ़ाना और वैदिक प्रार्थनाएं करनी होती हैं। यह भी कहा गया था कि ऐसी प्रथाएं केवल एक हिंदू ही कर सकता है। हालांकि, राज्य सरकार ने कहा था कि यह राज्य का समारोह है, किसी मंदिर या धार्मिक संस्थान का नहीं। इसलिए धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। ये उत्सव हर साल आयोजित किया जाता है। पहले भी वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, लेखकों और स्वतंत्रता सेनानियों को बुलाया गया है। राज्य सरकार ने कहा कि मुश्ताक को बुलाने का फैसला कमेटी का है। इसमें विभिन्न दलों के प्रतिनिधि और और विभिन्न सरकारी अधिकारी शामिल थे। मैसूर दशहरा उत्सव की शुरूआत 500 साल से भी पहले हुई थी। यह शक्तिशाली वोडेयार राजवंश के शाही काल की याद दिलाता है। इसकी शुरूआत राजा वोडेयार प्रथम ने 1610 में देवी चामुंडेश्वरी (दुर्गा का एक रूप) के सम्मान में की थी, जिन्होंने पौराणिक कथाओं के अनुसार मैसूर में राक्षस महिषासुर का वध किया था और इस क्षेत्र को बचाया था। यह कहानी सिर्फ सुनाई नहीं जाती। इसे 10 दिवसीय उत्सव में दोहराया जाता है।

मोदी ने प्रिंस चार्ल्स का दिया पौधा रोपा, जन्मदिन पर गिफ्ट मिला था

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को पीएम आवास पर ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स का गिफ्ट किया पौधा लगाया। चार्ल्स ने मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर पर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल से प्रेरित होकर पौधा भेजा था। ब्रिटिश उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी थी। इसमें कहा गया, "किंग ने मोदी को उनके जन्मदिन पर एक कदम्ब का पेड़ भेजकर अत्यंत प्रसन्नता जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल से प्रेरित यह भाव पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है।"

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया था। ये पौधा उन्हें 25-26 मई को गुजरात दौरे के दौरान कच्छ में 1971 के भारत-PAK युद्ध में बहादुरी दिखाने वाली महिलाओं के ग्रुप ने भेंट किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

26-27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान भुज में उन्होंने कहा था कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार

बरेली। यूपी के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो और शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। शुक्रवार को दोनों शूटरों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा। इनके नाम नकुल सिंह और विजय तोमर हैं। दोनों बागपत के रहने वाले हैं। इन पर एक-एक लाख रुपए का इनाम था। दोनों ने 11 सितंबर को दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की थी। इसके दो उउळश सामने आए थे, जिसमें शूटर बाइक पर जाते हुए नजर आ रहे। बरेली पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है। दोनों शूटरों को बी-वारंट पर बरेली लाया जाएगा। बरेली पुलिस के मुताबिक, दिशा पाटनी के घर दो

दिन यानी 11 और 12 सितंबर को फायरिंग हुई थी। 11 सितंबर को सुबह तड़के साढ़े 4 बजे नकुल और विजय ने फायरिंग की थी। जबकि, 12 सितंबर को हरियाणा के शूटर अरुण और रविंद्र ने फायरिंग की थी। यूपी STF ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के साथ 17 सितंबर की शाम गाजियाबाद में अरुण और रविंद्र को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था।

कंगना ब्लॉगर से बोलीं: आप नोंचने आएंगे तो काम कैसे करेंगे

मनाली में आपदा प्रभावित इलाकों में पहुंची थीं, कांग्रेस कार्यकताओं ने गो-बैक के नारे लगाए

मनाली। हिमाचल के मंडी से सांसद एवं बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट गुरुवार को मनाली के आपदा प्रभावित इलाकों में पहुंची। इस दौरान सांसद कंगना महिला ब्लॉगर के सवालों पर भड़क गईं। उन्होंने कहा कि आप हमें नोचने आएंगे, तो हम कैसे काम करेंगे। मैं मानती हूं कि कंगना आपको बहुत बड़ी तोप लगती है। कंगना ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और हिमाचल के ढहऊमंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी निशाना साधा। कंगना ने कहा- ये लोग (हिमाचल सरकार) पैसे मांगते रहते हैं। इनकी भी अकाउंटेबिलिटी होनी चाहिए। राहुल और प्रियंका गांधी को भी आपदा में आना चाहिए था। प्रभावितों के साथ खड़ा होना चाहिए था। इस बीच मनाली के पतलीकूहल में विरोध का सामना करना पड़ा। यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए और कंगना गो बैक के नारे लगाए। इस दौरान कुछ देर के लिए भाजपा और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच गहमा-गहमी भी देखने को मिली। कंगना रनोट बुधवार शाम को आपद प्रभावित इलाकों के दौर के लिए मंडी से मनाली पहुंचीं। आज सुबह कंगना ने पहले सोलंग गांव का दौरा किया। यहां पर कंगना

प्रभावित परिवारों से मिलीं। इस दौरान उन्होंने मनाली के तहसीलदार अनिल राणा को प्रभावित परिवार को राहत राशि प्रदान करने को कहा। इसके बाद कंगना ने पलचान और बाहंग का दौरा किया। बाहंग में कंगना में कहा कि- मेरा घर यहां (मनाली) पर है। सारा कारोबार और जमीन यहां है। उन्हें भी

नुकसान हुआ। पूरे-पूरे रोड बैठ गए। पहले हम पढ़ने व कमाने को बाहर जाते थे। पिछले कुछ समय में हमें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट मिले, लेकिन आपदा ने इनकी धज्जियां उड़ा दी। सांसद से जब महिला ब्लॉगर ने सवाल किया कि कंगना बॉलीवुड और राजनीति में संतुलन नहीं बैठा पा रही तो उन्होंने कहा- मैं होम मिनिस्टर से मिलने गई। पैरा मिलिट्री से मिलने गई। और तो और प्रधानमंत्री के साथ हम लोग यहां आए। मैं मानती हूं कि कंगना आपको बहुत बड़ी तोप लगती हैं। आपको लगता है कि कंगना दुनिया की क्या चीज है। मेरी हैसियत, मेरी औकात के हिसाब से है। मैं नहीं मानती कि कोई टढ इतना रगड़ा है, इतना घसीटा है ऑफिस टू ऑफिस। सांसद से जब सवाल पूछ गया कि आप बॉलीवुड सेलिब्रिटी के नाते बहुत बड़ा अमाउंट आपदा प्रभावितों के लिए इकट्ठा कर सकती थीं, इस पर उन्होंने कहा कि कोई भी पदाधिकारी पैसा इकट्ठा नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल जनविद्रोह- ये तो होना ही था

काठमांडू की इन इमारतों के अलावा भी देशभर में अनेक सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया। इस दौरान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद रहा, और गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को भी क्षति पहुंची । इन्हीं हिंसक वारदातों में मृतकों की संख्या 51 पार कर गई। इनमें 21 प्रदर्शनकारी, नौ क़ैदी , तीन पुलिस अधिकारी और 18 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफ़ा दे दिया। सेना को कर्फ़्यु लगाकर सड़कों पर तैनात किया गया।

(लेखिका - निर्मल रानी)

बिहार में दरभंगा-जयनगर के रास्ते 5 वर्ष पूर्व नेपाल जाने का अवसर मिला था । भारत नेपाल के सीमावर्ती नेपाली शहर जनकपुर के बीचोबीच देवी सीता को समर्पित हिन्दू-राजपूत वास्तुकला का एक प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिर एवं ऐतिहासिक स्थल है जिसे राम जानकी मंदिर के नाम से जाना जाता है। मेरे नेपाल प्रवास के उस दौर में जयनगर से लेकर जनकपुर तक की पूरी सड़क पर अधिकांश क्षेत्र में सिर्फ़ मिटटी पड़ी हुई थी। केवल कहीं कहीं बजरी पड़ी दिखाई देती थी। डामर रोलर और काली सड़कों का तो कहीं दूर तक नामो निशान ही नहीं था। रास्ते में कहीं बस का पहिया ज़मीन में धंसा दिखाई दे रहा था तो कहीं थ्री व्हीलर उल्टी पड़ी थी। बसों का तो आलम यह था कि टूटे शीशे व खिड़कियां, टूटी कष्टदायक सीटें,गोया कबाड़ख़ाने से लाकर बसें चलाई जा रही हों। जनकपुर जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल व पर्यटन नगरी की शहर की सड़कों में गड्ढे,बदबूदार और रुकी हुई नालियां ,शहर में खाने पीने का उपयुक्त होटल नहीं। जिस होटल में ठहरना हुआ उस होटल के प्रबंधक ने दोपहर क़रीब 12 बजे होटल में पहुँचने पर पहले ही बता दिया कि लाइट नहीं आ रही है रात 8 बजे आयेगी,रूम बुक कराना हो तो कराइये वरना तशरीफ़ ले जाइये। जब होटल प्रबंधक से नेपाल की इस दुर्दशा के बारे में पूछा तो उसने एक ही बात कही। भ्रष्टाचार तो भारत में भी है परन्तु वहां 50 प्रतिशत खाकर 50 प्रतिशत तो लगा ही देते होंगे। मगर हमारे नेपाल में तो 90 प्रतिशत खा जाते हैं केवल 10 प्रतिशत ही किसी योजना में लगाते हैं। उसी दिन यह एहसास हो गया था कि एक न एक दिन पानी सिर से ऊपर होगा और आज नहीं तो कल इसी नेपाल में भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्रोह ज़रूर पनपेगा।

ख़ैर, नेपाल में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद,आर्थिक असमानता, युवा बेरोज़गारी के विरुद्ध आख़िरकार जनविद्रोह फूट ही पड़ा। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध यानी युवाओं की सत्ता विरोधी आवाज़ को दबाने का सरकारी प्रयास इस हिंसक जनविद्रोह का बहाना बना। 8 सितंबर 2025 को शुरू हुये इस जनविद्रोह में राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अन्य प्रमुख शहरों में हज़ारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलनकारियों ने सरकार की भ्रष्ट नीतियों के ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की, जो जल्दी ही हिंसक हो गई। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू स्थित संसद भवन,सरकारी प्रशासनिक मुख्यालय,सिंह दरबार,प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रालयों और संसदीय कार्यालयों के परिसर ,सुप्रीम कोर्ट भवन,राष्ट्रपति भवन,राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास,नेपाली कांग्रेस पार्टी मुख्यालय,कम्युनिस्ट पार्टी मुख्यालय, निवर्तमान प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय,5 सितारा हिल्टन होटल,नेपाल के सबसे बड़े मीडिया समूह कांतिपुर मीडिया हाउस,स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय भवन, तथा प्रांतीय विधानसभा भवन जैसी प्रमुख इमारतों को आग के हवाले कर दिया। काठमांडू की इन इमारतों के अलावा भी देशभर में अनेक सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया। इस दौरान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद रहा, और गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को भी क्षति पहुंची । इन्हीं हिंसक वारदातों में मृतकों की संख्या 51 पार कर गई। इनमें 21 प्रदर्शनकारी, नौ क़ैदी , तीन पुलिस अधिकारी और 18 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफ़ा दे दिया। सेना को कर्फ़्यु लगाकर सड़कों पर तैनात किया गया। कई मंत्रियों व उद्योगपतियों के घर कार्यालय व संस्थान आग के हवाले कर दिये गये। नेपाल में चले इन विरोध प्रदर्शनों के बाद आंदोलनकारियों की सहमति से सुशीला कार्की को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।

इस आंदोलन की आग में भी शातिर राजनीतिज्ञ अपनी अपनी रोटियां सेकने की कोशिश करते दिखाई दिये। जहाँ तक राजनैतिक विश्लेषकों का सवाल है तो कोई इसे हिन्दू राष्ट्र का पक्षधर जन विद्रोह साबित करना चाह रहा है तो कोई इसे राजशाही की वापसी का संकेत बता रहा है। कोई इसमें अमेरिकी षड्यंत्र की गंध महसूस कर रहा है तो कोई इसे चीनी साज़िश महसूस कर रहा है। परन्तु हक़ीक़त यही है कि चाहे वह नेपाल में 240 वर्षों की

पुरानी शाह वंश की राजशाही परंपरा रही हो या उसके बाद 28 मई, 2008 को स्थापित हुआ 17 वर्ष पुराना गणतंत्र। किसी भी दौर में नेपाल के समग्र विकास पर कोई भी काम नहीं हुआ। हद तो यह है कि सड़क बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी नेपाल किसी ज़माने में भारत पर ही पूरी तरह आश्रित रहा करता था। नेपाल का बेरोज़गार आज बड़ी संख्या में भारत में काम करता व काम की तलाश में आता दिखाई देता है।

सही पूछिए तो राजधानी काठमांडू के सिवा किसी प्रान्त शहर या ज़िले का नाम भी भारत या अन्य देशों के आम लोग नहीं जानते। आम लोगों को यह भी नहीं पता कि नेपाल 7 अलग अलग प्रांतों में बंटा हुआ कुल 77 ज़िलों का देश है। इस अनभिज्ञता का कारण यही है कि राजशाही से लेकर गणतांत्रिक सरकारों तक ने केवल राजधानी काठमांडू के विकास व इसके सौंदर्यीकरण पर ही ज़ोर दिया। प्रायः सभी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन काठमांडू में ही हुआ करते थे। वैसे भी काठमांडू की प्रसिद्धि का कारण राजधानी होने के अतिरिक्त वहां का विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर भी है। इसलिये नेपाल का कोई अन्य ज़िला या शहर न तो विकसित हो पाया न ही प्रसिद्धि प्राप्त कर सका। इसे पूरे नेपाल के प्रति शाह घराने से लेकर गणतांत्रिक व्यवस्था संचालित करने वाले सभी राजनैतिक दलों के राजनेताओं तक की उदासीनता नहीं तो और क्या कहें ?

श्री लंका व बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में भड़का विद्रोह दुनिया के हर उन भ्रष्ट व बेलगाम सत्ताधीशों के लिये चेतावनी है जोकि जनता के मतों के बल पर उन्हें सुनहरे सपने दिखाकर सत्ता में तो आ जाते हैं परन्तु उसके बाद जनसरोकारों की बात करने के बजाये अपने सगे सम्बन्धियों को फ़ायदा पहुँचाने में जुट जाते हैं। जनता सब देखती व समझती है कि किस तरह सत्ता मिलते ही नंगे भूखे राजनेता करोड़पति व अरबपति बन जाते हैं। किस तरह उनका अहंकार चौथे आसमान पर पहुँच जाता है। जनता देखती है कि किसतरह जनसमस्याओं से ध्यान भटका कर व्यर्थ के भावनात्मक मुद्दे उछालकर उन्हें वरग़लाया जाता है। और जब इसी जनता के सिर के ऊपर से पानी बहने लगता है फिर वही होता है जो नेपाल में हुआ। चूँकि नेपाल भी दशकों से भ्रष्टाचार,बेरोज़गारी व भाईभतीजावाद का शिकार था इसलिये नेपाल में एक न एक दिन जनविद्रोह तो होना ही था।

(यह ले खिका के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

पराली की कसक

निर्विवाद रूप से पर्यावरण प्रदूषण देश के सामने एक बड़ा संकट है। लाखों लोगों के जीवन पर इससे संकट के बादल मंडराते हैं। शीत ऋतु की दस्तक के साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की काली छाया के बीच अक्सर इस संकट के मूल में निकटवर्ती राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार बताने की कवायद हर साल होती है। इस बार भी पंजाब में धान की खरीद शुरू होने के बाद विभिन्न हितधारकों का ध्यान एक मौसमी समस्या पराली जलाने की ओर आकर्षित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से उस कुप्रथा में लिप्त कुछ किसानों को गिरफ्तार करने के बारे में निर्णय लेने को कहा है, जिसे हर साल अक्तूबर-नवंबर में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण बताया जाता है। वैसे न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया है कि 'हमारे लिये किसान विशेष हैं और हम उनकी बदौलत ही भोजन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही अपनी खाद्य श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं।' लेकिन वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने राज्य से पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में कड़ा संदेश देने के लिये दंडात्मक प्रावधान लागू करने का भी आग्रह किया है। निर्विवाद रूप से देश में पंजाब और हरियाणा, जो कि खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी राज्य भी हैं, पराली जलाने से रोकने के लिये विगत में कभी-कभी किसानों को जेल में भी डालते रहे हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि यह कठोर कदम व्यावहारिक धरातल में एक प्रभावी निवारक साबित नहीं हो सका है। हमें इस बात की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में हुई गिरफ्तारियों और भारी जुर्माने ने इस क्षेत्र के कृषक समुदाय के गुस्से को भड़काया ही है। जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सत्ताधीशों के लिये किसानों पर आपराधिक मुकदम चलाना राजनीतिक दृष्टि से एक जोखिम भरा कदम माना जाता है। निस्संदेह, इन राज्यों में किसान अब एक प्रभावशाली वोट बैंक बन चुके हैं। खासकर पंजाब में किसानों की जागरूकता सत्ताधीशों पर दबाव बनाने में कामयाब हो जाती है। सर्वविदित है कि देश के सीमावर्ती राज्य पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में किसानों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना संवेदनशीलता की दृष्टि से उचित भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए अधिकारी किसी संभावित आक्रोश से बचने के लिये दंडात्मक कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में वे कोई सुरक्षित रुख अपना सकते हैं। निस्संदेह, किसी ऐसी सख्त कार्रवाई से पहले ही प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे किसानों की स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे हालात में किसानों से टकराव की बजाय सहयोग को प्राथमिकता बनाना तार्किक कहा जा सकता है। आर्थिक विकल्प, दंड से बेहतर काम करेगा। दूसरी ओर किसानों को पराली के प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। हम उन्हें सशक्त बनाकर इस संकट का तार्किक समाधान निकाल सकते हैं। सरकार प्रयास करे कि पराली का उपयोग उद्योगों द्वारा जैव ईंधन के रूप में एक उत्पादक विकल्प के तरह किया जाए। हमारे देश के ऊर्जा उत्पादन में बायोमास के उपयोग को बढ़ावा देने से जमीनी स्तर पर बदलाव लाया जा सकता है। पराली आधारित बॉयलरों को अपनाने वाले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये पूंजीगत सब्सिडी सराहनीय पहल बन सकती है। सर्दियों में भीषण ठंड से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की भलाई सुनिश्चित करने वाले पर्यावरण अनुकूल कदम उठाना भी जरूरी है।

लाशों के लग रहे अंबार,कब थमेगी बेरहम बरसात की रफ्तार ?

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

विश्व में देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में बाढ़ व भूस्खलन की घटनाएं निर्बाध हो रही हैं।किन्नौर से लेकर भरमौर तक बेरहम प्रकृति के तांडव की एक व्यापक व भयावह त्रासदी के बाद धीरे धीरे जीवन पटरी पर लौटने लगा था लेकिन बेरहम बरसात की रफतार थमने का नाम नहीं ले रही है मंडी ,कुल्लु,चंबा,सरकाघाट,में बरसात का कहर लगातार जारी है।बरसात ने बुजुर्गों से लेकर अबोध ब मासूम बच्चों को काल के गाल में समा लिया है बरसात का यह खौफनाक मंजर बहुत ही खतरनाक होता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में 16 सितंबर 2025 को मंगलवार को पहली घटना धर्मपुर में सोन खडड में आई बाढ़ से दस साल बाद तबाही की इबारत लिखी है भारी बरसात व बादल फटने से धर्मपुर में बस अडडे में भंयकर व भयावह तबाही हुई है लगभग 20 बसें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं तथा बस अडडे में दुकानों को भी क्षति हुई है। साल 2015 में भी सोन खडड में आई बाढ़ से काफी नुक्सान हुआ था। बीती घटनाओं से सबक सीख होता तो आज यह मंजर न होता लेकिन एक बार सोन खडड का रौद्र रुप बस अडडे को तबाह कर गया। दस साल बाद फिर से बाढ़ का यह मंजर हुआ है। दूसरी घटना में सुंदर नगर के निहरी में भूस्खलन होने से परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई मृतकों में दो महिलाएं और एक आठ माह के बच्चे की मौत हो गई। यह त्रासदी कब थमेगी हर जिला में लाशों के अंबार लग रहे हैं।सराज,निरमंड ,सैंज में बहुत मानवीय त्रासदीयां हो चुकी हैं। पिछले तीन महीनों से बरसात की यह रफतार सैंकड़ों लोगों का जीवन लील चुकी है।बाढ़ में दब चूके लोग अब तक नहीं मिल सके हैं। त्रासदी में खोये अपनों के गम में रात दिन रोते रहे लोगों की आखों के आंसू सूख चुके हैं आखें पथरा गई हैं क्योकि आखों के सामने सब उजड़ गया आशियाने उजड़ चुके हैं। अपनों को खोने का गम क्या होता है यह वही जान सकता है जिसने आखों के सामने अपनों को बहते देखा हो। तिनका तिनका बिखरा है अब मुआबजा मिलेगा तभी नए आशियाने बन सकते हैं। उम्र भर की पसीने की कमाई से बनाए घर तबाह हाक गए। पल भर में सब तबाह हो गया आलिशान आशियाने मिटटी में मिल गए अब मलवे के ढेर ही बचे हैं। 30 जून से उथल पुथल मची हुई है। सराज से शुरु हुए त्रासदी के आगाज का अंजाम हर जिला भुगत रहा है। प्रकृति के प्रकोप से कोई भी जिला अछूता नहीं रहा है।विकास के नाम पर पहाड़ों को छलनी करने से मानव बाज नही आ रहा है और सजा भुगत रहा है।प्रकृति से खिलवाड़ की कीमत चुकानी ही पडेगी।पहाड़ खोखले होते जा रहे हैं पहाड़ों की बुनियादें हिल चुकी हैं और पहाड़ दरक रहे हैं। अंधाधुध खनन से पहाड़ों को काटा जा रहा है नतीजन पूरे के पूरे पहाड़ जमीन पर धराशायी हो रहे है और तबाही मचा रहे हैं। बरसात के कहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है।हजारों लोग मौत के मुहं में समा चुके हैं।बरसात के रौद्र रुप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है।मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति ना होती मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था तब तक होश आया सब

कुछ तबाह हो गया अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ का रौद्र रुप जिंदगियां लीलता है।कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं।देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं।हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं बच्चे अनाथ होते जा रहे है।प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेगी। आपदाओं से सबक सीखना चाहिए ताकि आने वाले भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है लेकिन ऐसी त्रासदियां रुकती नहीं हैं। प्रकृति के इस विनाशकारी विभीषिका से बहुत मानवीय तबाही हो रही हैं।परिवार के परिवार उजड़ गए हैं। देश के हर गांव व शहर में बरसात का कहर बरपता जा रहा है।प्रकृति ने मानव को समय समय पर आगाह किया लेकिन आधुनिक मानव मनमानी कर रहा है ओर असमय ही काल के गाल में समाता जा रहा है। मानव को इन त्रासदियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।सर्तकता बरतनी चाहिए कुदरत से छेड़छाड़ पूर्ण रुप से बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है।

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुःख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ, न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरूस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरूण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इत्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, इंसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है। आज साहित्य, संस्कृति और समाज के हर मंच पर महिला जागृति या नारी विमर्श का दौर ही चल पड़ा है। मुनि तरूण सागर जी साफ शब्दों में कहते हैं कि समाज पुरुष प्रधान है, परंतु याद रखना चाहिए कि महिलाओं की भूमिका पुरुषों से भी बड़ी है। वे सत्य से मुंह मोड़ने या पीछे हटने वाले समाज को न सिर्फ जगाते हैं बल्कि अपने कड़वे बोल से कोसने में भी कोई गुरेज नहीं करते। सच के पाखंडी चेहरे को पहचानने वाली उनकी गहरी दृष्टि सजग करती हैं कि वास्तव में जो सत्य है उसे किसी बनावट की जरूरत नहीं है। संघर्ष में सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं होता। छोटी-छोटी बातों से जीवन का बड़ा अर्थ निकाल लेने वाले मुनि तरूणसागर जी के बोल सचमुच अनमोल हैं। एक और उदाहरण देखिए वे कहते हैं कि प्रभु को सात बातें अच्छी नहीं लगती घमंड से भरी आंखें, झूठ से भरी जुबान, बुराई की तरफ बढ़ते कदम, झूठी गवाही, बुरी सोच, भाई को भाई से लड़ाना और खून से सने हाथ। जरा सोचिए इन बातों में आज के मनुष्य और समाज का कौन सा ऐसा पक्ष है जो शेष होगा। इंसान का दोहरापन और दुनिया का बहुरूपियापन हो या हिंसा और आतंक की कीमत पर सब कुछ हासिल कर लेने की अंधी कोशिश, मुनि तरूण सागर जी इन हालातों को बेपरदा कर देते हैं। इसके विपरीत वे जीने की कला की सारी सूत्र भी सहज रूप से बता देते हैं। प्रदूषण के सारे खतरों में विचारों के प्रदूषण को सबसे बड़ा कहने वाले मुनि श्री इस समस्या को विचारों की शक्ति से ही दूर करने के रास्ते भी सुझाते हैं, आवश्यकता बस इतनी है कि सुने हुए को जीवन में उतारने की शक्ति श्रोता स्वयं अपने भीतर पैदा करें।

भारत में 7 लोगों मे से 1 मनोरोगी?

(लेखक-सनत जैन)

देश तेजी से आर्थिक और तकनीकी प्रगति कर रहा है। वहीं लोगों की मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं, भारत में हर सात में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक रोग से जूझ रहा है। यह स्थिति तब और भयावह हो जाती है। जब यह तथ्य सामने आता है, देश की लगभग 70 फ़ीसदी आबादी किसी न किसी किस्म की मानसिक समस्या से प्रभावित है। अवसाद, तनाव, चिंता, नशे की लत और व्यक्तित्व विकार जैसी समस्याएँ आम होती जा रही हैं। इस विकट समस्या की सबसे बड़ी वजह, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है।समाज की अनभिज्ञता और उपेक्षा के कारण लोग मनोरोगी बन रहे हैं। लोग शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए तुरंत डॉक्टर के पास चले जाते हैं। मानसिक रोगों को को लेकर वह अपनी बीमारी को छिपाते हैं।परिवार और समाज में मानसिक बीमारियों को लेकर फैली गलत धारणाऔर डर कहीं लोग उसे पागल नहीं मानने लगे। इस घर से वह डॉक्टरों की मदद लेने से उन्हें रोकता है। भारत में मनोरोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। इलाज करने के लिए भारत में डॉक्टर ही उपलब्ध नहीं है। भारत में प्रति दस लाख जनसंख्या पर दस से भी कम मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपलब्ध है। मानसिक रोगियों के इलाज के लिए संसाधन भी बेहद सीमित हैं।

शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने लोगों के मानसिक दबाव को बढ़ा दिया है। बेरोजगारी, रिश्तों में तनाव, आर्थिक असमानता और सोशल मीडिया का अधिक समय तक उपयोग, एक ही चीज को लंबे समय तक देखते रहने के कारण यह एक नशे के रूप में भी सामने आ रहा है। गांजा भांग अफीम चरस एचडी ड्रग इत्यादि का नशा एक सीमित समय तक रहता है। सोशल मीडिया का नशा दिनों दिन बढ़ता ही चला जाता है। जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहद कमजोर बना रहा है। लोगों की सोचने समझने की क्षमता भी धीरे-धीरे कम होती जा रही है। इसका असर याददाश्त पर भी पड़ रहा है। जो लोग सोशल मीडिया पर ज्यादा समय रहते हैं। उनमें डर और भय भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। ग्रामीण अंचलों में भी इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग काफी तेजी के साथ बढ़ गया है। सभी वर्गों के लोग सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से जो वह देखते हैं। उसका प्रभाव उनके ऊपर पड़ता है। जो वह देखते हैं और जो इच्छा करते हैं। उन्हें पाना उनके लिए संभव नहीं होता है। जिसके कारण भी मानसिक रोग अब गांव से शहरों तक में बराबरी से देखने को मिल रहा है। ग्रामीण अंचलों और वहां के निम्न और मध्यम परिवारों में जागरूकता और उपचार की सुविधाएँ लगभग नदारद हैं।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा बनाया जाए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की शिक्षा दी जाए। युवा पीढ़ी मस्तिष्क के तनाव, उसका प्रबंधन और आत्म-नियंत्रण के बारे में जान सके। सरकार को भी इंटरनेट और सोशल मीडिया की लत का शिकार होने से बचाने के प्रयास करने चाहिए। सोशल मीडिया का उपयोग जानकारी प्राप्त करने और जरूरतों के लिए हो। सरकार को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने तथा समय-समय पर स्कूल और कॉलेज में शिविर लगाकर जांच की जानी चाहिए। आम आदमी मनोरोग का शिकार ना हो,इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। इसके साथ परिवार और समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। मानसिक रोगियों को किसी कमजोरी की तरह देखने के बजाय इसे सामान्य बीमारी की तरह स्वीकार करना जरूरी है। मीडिया और जनसंचार माध्यमों को भी सकारात्मक भूमिका निभाने सामने आना होगा। भारत में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ने का कारण केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं है। सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के साथ-साथ महंगाई

और बेरोजगारी भी बहुत बड़ी समस्या है। यदि देश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना है, तो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की प्राथमिकता परिवार समाज और सरकार की है। इस समस्या को सभी को गंभीरता से लेना होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से जब समाज स्वस्थ होगा तभी सामाजिक और आर्थिक विकास संभव हो सकेंगे इस और सभी को ध्यान देने की जरूरत है।

स्टेटक्राफ्ट से 150 मेगावाट का पनबिजली संयंत्र खरीदेगी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी

नई दिल्ली जेएसडब्ल्यू एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी ने 1,728 करोड़ रुपये में स्टेटक्राफ्ट के स्वामित्व वाले टिडोंग पावर जेनरेशन को खरीदने के लिए समझौता किया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने गुरुवार देर रात शेयर बाजार को बताया कि इस संयंत्र की 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्टेटक्राफ्ट आईएच होल्डिंग एस के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कंपनी ने बताया कि यह सौदा आवश्यक नियामक मंजूरियों के अधीन है। इस लेनदेन में परिसंपत्ति का उद्यम मूल्यांकन लगभग 1,728 करोड़ रुपये है। टिडोंग पावर हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित टिडोंग घाटी में 150 मेगावाट क्षमता का पनबिजली संयंत्र बना रही है। इस संयंत्र के अक्टूबर 2026 में चालू होने की उम्मीद है और इसका उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ 22 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है।

तेल उत्खनन कंपनियों को मुआवजा देने की तैयारी

- सरकार ला सकती है विशेष राहत योजना

नई दिल्ली सरकार तेल और गैस क्षेत्र की अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों की बढ़ी लागत की भरपाई के लिए एक विशेष योजना पर विचार कर रही है। हाल ही में जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं और वस्तुओं पर जीएसटी दर 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दी, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ गई है और मार्जिन पर असर पड़ा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि प्रस्तावित योजना कंपनियों को मुआवजा देने और फंसे हुए कर की समस्या को सुलझाने के लिए तैयार की जा रही है। इस योजना को वित्त मंत्रालय के समक्ष जल्द ही मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। तेल और प्राकृतिक गैस जैसे उत्पाद अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, लेकिन इनके अन्वेषण और उत्पादन में उपयोग होने वाली सेवाओं व उपकरणों पर जीएसटी लगाया जाता है। ऐसे में कंपनियाँ इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं उठा पातीं, जिससे फंसे हुए कर की स्थिति उत्पन्न होती है। अधिकारी के अनुसार, इस योजना को एक वैकल्पिक राहत या प्रोत्साहन योजना के रूप में लागू किया जा सकता है।

चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.18 फीसदी बढ़ा

सरकार के खजाने में आए 10.82 लाख करोड़, रिफंड घटा

नई दिल्ली चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल से 17 सितंबर तक नेट डायरेक्ट टैक्स संग्रह 10.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9.18 प्रतिशत अधिक है। इस संग्रह में व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर शामिल हैं। रिफंड समायोजित किए बिना सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 12.43 लाख करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.39 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनियों से अग्रिम कर संग्रह में 6.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और यह अब 3.52 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। दूसरी ओर, गैर-कॉरपोरेट अग्रिम कर संग्रह में 7.30 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 96,784 करोड़ रुपए रह गया। चालू वित्त वर्ष में रिफंड राशि 24 प्रतिशत घटकर 1.61 लाख करोड़ रुपए रही। शुद्ध कंपनी कर संग्रह 4.72 लाख करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 4.50 लाख करोड़ रुपए से बेहतर है। गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपए के करीब रहा, जो पिछले वर्ष की 5.13 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इसमें व्यक्तिगत करदाता और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) शामिल हैं। प्रतिभूति लेनदेन कर (स्झ्ज्ञ) संग्रह लगभग स्थिर रहा और 26,306 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 25.20 लाख करोड़ रुपए रखा है, जो पिछले वर्ष से 12.7 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, सरकार एसटीटी के जरिए 78,000 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य भी लेकर चल रही है।

1 अक्टूबर से लागू होंगे बड़े बदलाव, एनपीएस और ऑनलाइन गेमिंग में होंगे नए नियम

- अब एक ही पैन नंबर से कई स्कीमों में निवेश किया जा सकेगा

नई दिल्ली

देश में 1 अक्टूबर, 2025 से राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) और ऑनलाइन गेमिंग के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू होने जा रहे हैं। ये बदलाव आम जनता के लिए फायदेमंद और सुरक्षा बढ़ाने वाले साबित होंगे। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने एनपीएस को और अधिक फ्लेक्सिबल बनाने के लिए नया ÷मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क÷ लागू किया है। अब एक ही पैन नंबर से कई स्कीमों में निवेश किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार हाई-रिस्क इक्विटी या अन्य स्कीमों में निवेश करने का मौका मिलेगा। नए नियमों के तहत एनपीएस में शामिल होने और निकासी की उम्र सीमा बढ़ाई जाएगी। साथ ही, लंपसम विड्रॉल की लिमिट भी बढ़ेगी, जिससे निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार अधिक राशि निकाल सकेंगे। इसके अलावा, खाते को बिना किसी बाधा के चालू रखने के लिए ऑटोमैटिक कंटिन्युएशन की सुविधा भी दी जाएगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए पीआरएएन खोलने पर 18 रुपए शुल्क और ऑफलाइन पीआरएएन कार्ड पर 40 रुपए शुल्क लागू होगा। हालांकि, जीरो बैलेंस वाले अकाउंट और लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग के लिए कड़े नियम लागू होंगे। यह नियम गेमिंग को और अधिक सुरक्षित बनाने और धोखाधड़ी रोकने के लिए बनाए गए हैं। इसके पहले गेमिंग कंपनियों, बैंकों और अन्य पक्षों के साथ अंतिम बैठक की जाएगी।

तेल उत्खनन कंपनियों को मुआवजा देने की तैयारी

सरकार ला सकती है विशेष राहत योजना

नई दिल्ली सरकार तेल और गैस क्षेत्र की अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों की बढ़ी लागत की भरपाई के लिए एक विशेष योजना पर विचार कर रही है। हाल ही में जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं और वस्तुओं पर जीएसटी दर 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दी, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ गई है और मार्जिन पर असर पड़ा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि प्रस्तावित योजना कंपनियों को मुआवजा देने और फंसे हुए कर की समस्या को सुलझाने के लिए तैयार की जा रही है। इस योजना को वित्त मंत्रालय के समक्ष जल्द ही मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। तेल और प्राकृतिक गैस जैसे उत्पाद अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, लेकिन इनके अन्वेषण और उत्पादन में उपयोग होने वाली सेवाओं व उपकरणों पर जीएसटी लगाया जाता है। ऐसे में कंपनियाँ इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं उठा पातीं, जिससे फंसे हुए कर की स्थिति उत्पन्न होती है। अधिकारी के अनुसार, इस योजना को एक वैकल्पिक राहत या प्रोत्साहन योजना के रूप में लागू किया जा सकता है।

उपभोक्ता आयोग ने मर्सिडीज-बेंज को 1.78 करोड़ से अधिक की खरीद राशि लौटाने को कहा

– कार न बदलने और मानसिक पीड़ा पहुंचाने पर मर्सिडीज-बेंज को 5 लाख हर्जाना

नई दिल्ली

दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक बड़े फैसले में मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर ग्लोबल स्टार ऑटो एलएलपी, ओखला को आदेश दिया है कि वे एक ग्राहक को उसकी इलेक्ट्रिक कार की 1.78 करोड़ से अधिक की पूरी कीमत लौटाएं। इसके साथ ही आयोग ने मानसिक पीड़ा और उत्पीड़न के लिए 5 लाख रुपए हर्जाना और 50,000 रुपए मुकदमे की लागत का भी भुगतान करने का निर्देश दिया। यह मामला उस समय सामने आया जब शिकायतकर्ता ने नवंबर 2022 में खरीदी गई मर्सिडीज इलेक्ट्रिक कार में लगातार तकनीकी खराबी की शिकायत की। कार को एक साल के भीतर चार बार वर्कशॉप भेजा गया और अक्टूबर 2023 में आखिरी मरम्मत के बाद से ही वह कंपनी के पास ही रही। शिकायतकर्ता ने यह आरोप भी लगाया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भेजने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा सहगल और सदस्य पिंकी ने अपने आदेश में कहा कि बार-बार की मरम्मत से यह स्पष्ट है कि वाहन में **निर्माण संबंधी दोष** था, जिसे निर्माता ने ठीक नहीं किया और न ही वाहन बदला। आयोग ने कहा कि कार का मॉडल अब बंद हो चुका है और वाहन अभी भी डीलरशिप के पास है, इसलिए उपभोक्ता को पूरी राशि लौटाना ही एकमात्र विकल्प है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 387, निफ्टी 96 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही मुनाफावसूली हावी होने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 387.73 अंक टूटकर 82,626.23 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.55 अंक फिसलकर 25,327.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी आईटी 0.47 फीसदी), निफ्टी ऑटो 0.40 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.64 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.44 फीसदी नीचे आया। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.28 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.50 फीसदी , निफ्टी मेटल 0.35 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.55 फीसदी औप निफ्टी एनर्जी 0.86 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज अदाणी समूह के करीब सभी शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एसबीआई, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, सनफार्मा, मारुति, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और इन्फोसिस के शेयरों में बढ़त रही जबकि एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत कमजोर रही।

सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। वहीं एशियाई बाजारों में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 150 अंकों की गिरावट के साथ 82,946.04 पर खुला और खुलने के कुछ ही मिनटों में यह और टूटकर 82,730.26 पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी ने 25,410.20 के स्तर पर शुरुआत की लेकिन जल्द ही 25,400 के नीचे फिसल गया। वहीं वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशिया में जापान का निक्केई इंडेक्स 0.8 फीसदी चढ़कर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। जापान की कोर महंगाई अगस्त में घटकर 2.7 फीसदी पर आ गई, जो कि नवंबर 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। उधर, अमेरिका के शेयर बाजारों में भी मजबूती रही। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत मिलने के बाद एसएंडपी 500, नेस्डेक और डाउ जोंस में अच्छी तेजी देखी गई। इन तमाम संकेतों के बीच निवेशकों को सतर्कता बरतते हुए चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में निवेश करने की सलाह दी जा रही है। बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन अदाणी ग्रुप की रिकवरी और वैश्विक रुख से सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं।

एटीएम से पैसा नहीं निकले और अकाउंट से कट जाए तो घबराएं नहीं

–24 घंटे बाद भी पैसा नहीं आए तो बैंक कस्टमर केयर से करें संपर्क

नई दिल्ली

एटीएम से पैसे निकालने गए और मशीन से कैश नहीं निकला, लेकिन आपके बैंक खाते से पैसे कट गए? अगर ऐसा आपके साथ हो जाए तो घबराने की जरूरत नहीं। कुछ आसान तरीके अपनाकर पैसा वापस पा सकते हैं। आजकल लोग भले ही यूपीआई से पेमेंट करते हों, लेकिन एटीएम से कैश निकालना अभी भी जारी है।

कई बार तकनीकी खराबी की वजह से एटीएम से पैसे नहीं निकलते हैं लेकिन अकाउंट से राशि कट जाती है।

बता दें सबसे पहले पैसे निकालने के लिए जल्दबाजी न करें। अगर एटीएम से कैश नहीं निकला या अटक गया है तो थोड़ा इंतजार करें। कभी-कभी मशीन को पैसे निकालने में समय लगता है। जबरदस्ती नोट खींचने की कोशिश न करें, इससे नोट फट सकता है या मशीन खराब हो सकती है। अगर इंतजार के बाद भी पैसा नहीं निकले, तो ट्रांजेक्शन रिसिप्ट को संभालकर रखें। आपके फोन पर आए मैसेज को भी सुरक्षित रखें, जिसमें ट्रांजेक्शन की जानकारी होती है। इसके अलावा एटीएम का नंबर नोट करें, जो मशीन पर लिखा होता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियमों के मुताबिक अगर एटीएम से पैसा नहीं निकला, लेकिन अकाउंट से राशि कट गई, तो बैंक को पांच दिन के अंदर पैसा वापस करना होता है। अगर बैंक ऐसा नहीं करता, तो उसे आपको 100 रुपए हर दिन का मुआवजा देना होगा, जो 5 दिन बाद से शुरू होकर पैसे वापस आने तक मिलेगा, लेकिन इसके लिए आपको बैंक को सूचित करना जरूरी है।

24 घंटे तक इंतजार करें, क्योंकि कई बार बैंक खुद ही पैसा वापस कर देता है। अगर 24 घंटे बाद भी पैसा नहीं आता है, तो तुरंत बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करें। शिकायत करते समय एटीएम की लोकेशन, ट्रांजेक्शन की तारीख, समय, ट्रांजेक्शन आईडी और रसीद की जानकारी दें। अगर कस्टमर केयर से बात नहीं बनती, तो अपनी बैंक ब्रांच में जाएं या बैंक की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

अगर बैंक आपकी शिकायत को नहीं मानता, तो आप बैंक के इंटरनल ऑम्बुड्समैन से संपर्क कर सकते हैं। हर बैंक में एक ऑम्बुड्समैन ऑफिसर होता है, जिसकी जानकारी बैंक की वेबसाइट पर मिलती है।

अगर वहां भी समाधान नहीं होता, तो आप आरबीआई के ऑम्बुड्समैन से शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए आरबीआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है या नजदीकी आरबीआई ऑम्बुड्समैन ऑफिस में संपर्क किया जा सकता है।

सेबी से अदाणी समूह को क्लीन चिट, हिंडनबर्ग के आरोपों को बताया निराधार

– गौतम अदाणी और संबंधित फर्मों को दी राहत;

नई दिल्ली भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदाणी समूह, समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनसे जुड़ी कुछ कंपनियों को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए गंभीर आरोपों से क्लीन चिट दे दी है। सेबी ने दो अलग-अलग आदेशों में स्पष्ट किया कि जांच में कोई भी नियम उल्लंघन, धोखाधड़ी या संबंधित पक्षों के साथ संदिग्ध लेनदेन सामने नहीं आया। जनवरी 2023 में अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर स्टॉक की कीमतों में हेरफेर और कालेधन के लेनदेन जैसे आरोप लगाए थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सेबी ने जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि एडिकॉर्प एंटरप्राइजेज, माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स और रहवर इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी कंपनियों के साथ हुए लेनदेन को रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन नहीं माना जा सकता। सेबी ने कहा कि समूह द्वारा किए गए खुलासों में कोई अनियमितता या धोखाधड़ी नहीं पाई गई। सेबी के एक पूर्णकालिक सदस्य ने कहा कि समग्र रूप से विचार करने पर कोई उल्लंघन प्रमाणित नहीं होता, इसलिए बिना किसी दंड के मामला बंद किया गया। गौतम अदाणी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा कि पारदर्शिता और ईमानदारी हमेशा हमारी पहचान रही है। झूठ फैलाने वालों को देश से माफी मांगनी चाहिए।

एजीआर विवाद को लेकर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट....राकेट बन गया वोडाफोन आइडिया का शेयर

मुंबई

घरेलू बाजार में गिरावट के बीच शुक्रवार को वोडाफोन आइडिया के शेयर में जोरदार तेजी दिखाई दी। शेयर इंट्राडे में 12 फीसदी से ज्यादा उछला। भारतीय बाजार में कारोबारी सेशन में आधा फीसदी से ज्यादा टूट गए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को वोडाफोन आइडिया की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने की मांग की गई है। इसके बाद वोडाफोन आइडिया के स्टॉक में पॉजिटिव सेंटीमेंट देखने को मिला। बीते काफी समय से एक दायरे में फंसे टेलीकॉम स्टॉक में बीते एक महीने में करीब 28 फीसदी का उछाल आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने वोडाफोन आइडिया ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करने के बाद याचिका पर विचार के लिए अगले शुक्रवार (26 सितंबर) की तारीख तय की। विधि अधिकारी ने कहा कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं और संबंधित पक्ष समाधान खोजना चाहते हैं।

इस खबर के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयर में बीएसई पर शुक्रवार को करीब आधा फीसदी की तेजी के साथ 7.89 रुपये पर कारोबार शुरू हुआ। स्टॉक गुरुवार को 7.85 रुपये पर बंद हुआ था। शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक के कारोबार में शेयर ने 8.82 रुपये का हाई और 7.81 रुपये का लो बनाया। यह स्टॉक अपने 52 हफ्ते के हाई (13.02 रुपये) से करीब 40 फीसदी गिरावट पर ट्रेड कर रहा है।

ईपीएफओ ने पोर्टल में नई सुविधाएं शुरू कीं

– सिंगल लॉगिन से मिलेगी सभी सेवाओं की जानकारी

नई दिल्ली

ईपीएफओ ने अपने डिजिटल पोर्टल को अपडेट किया है जिससे अब सदस्य एक ही सिंगल लॉगिन के जरिए सभी सेवाओं और खाते की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे पहले जो प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली थी, अब कहीं अधिक सरल और तेज हो जाएगी। ईपीएफओ ने 'पासबुक लाइट' सुविधा शुरू की है, जिसके तहत सदस्य जल्दी और सरल तरीके से अपने खाते का बैलेंस और लेन-देन का सारांश देख पाएंगे। पहले पीएफ सदस्य को अलग पासबुक पोर्टल में लॉगिन करना पड़ता था, जो कई बार तकनीकी कारणों से मुश्किल हो जाता था। अब पासबुक लाइट में तुरंत जानकारी उपलब्ध होगी, जबकि विस्तृत जानकारी के लिए पुराना पोर्टल भी उपलब्ध रहेगा। नौकरी बदलने पर पीएफ खाते का ट्रांसफर करना भी अब आसान हो गया है। पहले एनेक्जर के नामक ट्रांसफर सर्टिफिकेट पुराने नियोक्ता से नए पीएफ कार्यालय को भेजा जाता था, जो अक्सर देरी का कारण बनता था। नई व्यवस्था में यह सर्टिफिकेट ऑनलाइन पीडीएफ में उपलब्ध होगा और सदस्य ट्रांसफर की स्थिति भी ऑनलाइन ट्रैक कर पाएंगे।

इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा।

ईपीएफओ ने क्लेम और ट्रांसफर की मंजूरी प्रक्रिया को भी सरल बनाया है। अब उच्च अधिकारियों के बजाय निचले स्तर के अधिकारी भी मंजूरी दे सकेंगे, जिससे क्लेम जल्दी निपटेंगे और प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ेगी।

उपभोक्ता आयोग ने मर्सिडीज-बेंज को 1.78 करोड़ से अधिक की खरीद राशि लौटाने को कहा

कार न बदलने और मानसिक पीड़ा पहुंचाने पर मर्सिडीज-बेंज को 5 लाख हर्जाना

नई दिल्ली

दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक बड़े फैसले में मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर ग्लोबल स्टार ऑटो एलएलपी, ओखला को आदेश दिया है कि वे एक ग्राहक को उसकी इलेक्ट्रिक कार की 1.78 करोड़ से अधिक की पूरी कीमत लौटाएं।

इसके साथ ही आयोग ने मानसिक पीड़ा और उत्पीड़न के लिए 5 लाख रुपए हर्जाना और 50,000 रुपए मुकदमे की लागत का भी भुगतान करने का निर्देश दिया। यह मामला उस समय सामने आया जब शिकायतकर्ता ने नवंबर 2022 में खरीदी गई मर्सिडीज इलेक्ट्रिक कार में लगातार तकनीकी खराबी की शिकायत की। कार को एक साल के भीतर चार बार वर्कशॉप भेजा गया और अक्टूबर 2023 में आखिरी मरम्मत के बाद से ही वह कंपनी के पास ही रही। शिकायतकर्ता ने यह आरोप भी लगाया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भेजने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा सहगल और सदस्य पिंकी ने अपने आदेश में कहा कि बार-बार की मरम्मत से यह स्पष्ट है कि वाहन में **निर्माण संबंधी दोष** था, जिसे निर्माता ने ठीक नहीं किया और न ही वाहन बदला।

आयोग ने कहा कि कार का मॉडल अब बंद हो चुका है और वाहन अभी भी डीलरशिप के पास है, इसलिए उपभोक्ता को पूरी राशि लौटाना ही एकमात्र विकल्प है।

ल्यूपिन को मिली यूएस एफडीए से जेनेरिक कैंसर दवा की मंजूरी

मुंबई

फार्मा कंपनी ल्यूपिन को हाल ही में यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएस एफडीए) से एक महत्वपूर्ण मंजूरी मिली है। यह मंजूरी लेनालिडोमाइड कैप्सूल के लिए है, जो एक जेनेरिक कैंसर दवा है। यह दवा मल्टीपल मायलोमा नामक एक प्रकार के रक्त कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होती है। लेनालिडोमाइड कैप्सूल, अमेरिका की कंपनी ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब के रेव्लिमिड कैप्सूल का जेनेरिक (सस्ता) वर्जन है। इसका उपयोग उन वयस्कों के लिए होता है जिन्हें ऑटोलॉगस हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन के बाद डेक्सामेथासोन के साथ मेंटेनेंस थेरेपी की जरूरत होती है। इस दवा का उत्पादन ल्यूपिन के मध्य प्रदेश स्थित पीथमपुर प्लांट में होगा। अमेरिका में इस दवा की वार्षिक बिक्री करीब 7,511 मिलियन डालर होने का अनुमान है, जिससे यह ल्यूपिन के लिए एक बड़ा बाज़ार है। कंपनी ने कहा है कि उनका जेनेरिक उत्पाद रेव्लिमिड का एक किफायती विकल्प होगा, जिससे मरीज़ों को फायदा होगा।

ल्यूपिन को हाल ही में यूएस एफडीए से एक और जेनेरिक दवा के लिए भी मंजूरी मिली है। यह दवा जेनेरिक कॉन्ट्रासेप्टिव टैबलेट मिंजोया है, जो यूएस बेस्ड एवियन फार्मास्युटिकल्स की बाल्कोल्ट्रा का जेनेरिक वर्जन है। इस दवा का निर्माण भी पीथमपुर प्लांट में ही किया जाएगा।

ल्यूपिन का मुख्यालय मुंबई में है और यह 100 से ज़्यादा देशों में काम करती है। कंपनी जेनेरिक दवाओं, बायोटेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और एक्टिव फ़ार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स पर ध्यान केंद्रित करती है। दुनिया भर में इसके 15 मैन्युफैक्चरिंग साइट्स और 7 रिसर्च सेंटर हैं, जिनमें 24,000 से ज़्यादा कर्मचारी काम करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरमनप्रीत की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एकदिवसीय सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुल्लांपुर (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शानदार पारी से दूसरे मैच में रिकॉर्ड जीत हासिल की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह इस माह के अंत में होने वाले विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली एकदिवसीय सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय महिला टीम अभी तक एक बार भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है।

पहले मैच में करारी हार के बाद भारतीय महिला टीम ने अच्छी वापसी करते हुए दूसरे मैच में 102 रन से जीत हासिल की थी। ये भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़ी जीत थी।

भारतीय टीम ने इस सीरीज में कई कैच भी छोड़े हैं और उसे इस कमजोर को दूर करना होगा। भारतीय टीम को जीत के लिए प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। दूसरे मैच में हालांकि गेंदबाजों ने अच्छा दबाव बनाया जो सकारात्मक संकेत है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर और तेज गेंदबाजी ने उनकी जोड़ीदार क्रांति गौड़ ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं स्पिनरों ने भी बीच के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाये रखा।

तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर अरुंधति रेड्डी को शामिल करना भी फायदेमंद रहा है। भारतीय टीम के एक बार फिर अलग संयोजन के साथ उतरने की उम्मीद है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, ''इस सीरीज में हम हर किसी को मौका देना चाहते हैं। हम कुछ नए संयोजन आजमाने सकते हैं।''

बल्लेबाजी में अब तक इस सीरीज भारत का प्रदर्शन दोनों मैच में अच्छा रहा। विशेषकर सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने दोनों मैचों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई हालांकि मध्यक्रम के बल्लेबाज बड़ी साझेदारी निभाने में विफल रहे हैं। मंधाना ने पिछले मैच में शतक जमाया था और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। अब हरमनप्रीत, हरलीन देओल और ऋचा घोष जैसी खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। कप्तान एलिसा हीली ने माना है कि दूसरे एकदिवसीय में उनकी टीम खेल के हर विभाग में विफल रही। दूसरे मैच में करारी हार से भी वह उबरना चाहेगी। वह विश्व कप से पहले जीत हासिल कर लय में आना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), उमा छेत्री, हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, तेजल हसब्निस, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ, डार्सी ब्राउन, निकोल फाल्टम, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, चार्ली नॉट, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शूट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा: विश्व चैंपियनशिप में खिताब का बचाव ना कर पाने पर बोले नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था लेकिन वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा गुरुवार को तोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे।

उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 'मैंने तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरा दिन नहीं था।'

उन्होंने कहा, 'मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह लगभग पदक जीत ही गए थे।% स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) को मिला। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) का स्थान रहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय चोपड़ा ने अधिक मजबूती हासिल करके दमदार वापसी करने का वादा किया। उन्होंने कहा, 'आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे दमदार वापसी करने की प्रेरणा मिलती है।'

न्यूजीलैंड ने जैमीसन और सियर्स को शामिल किया

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह की शुरुआत में होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए काइल जैमीसन और बेन सियर्स को टीम में शामिल किया है। इससे पहले ये दोनो ही जिम्बाब्वे में त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल नहीं थे। जैमीसन निजी कारणों से वहीं सियर्स फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। इस सीरीज में नियमित कप्तान मिशेल सेंटनर की जगह पर माइकल ब्रेसवेल कप्तानी करेंगे। ब्रेसवेल ने कहा, चैपल-हैडली सीरीज गर्मियों की शुरुआत करने का एक अच्छा तरीका है। मैं ये सीरीज देखते हुए बड़ा हुआ हूं और न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली प्रतिद्वंद्विता बेहद रोमांचक रहती है।

उन्होंने साथ ही कहा, 2016 से ये ट्रॉफी हमारे पास नहीं है। अब हम इसे बदलना चाहते हैं। घरेलू धरती पर इसके लिए खेलने का अच्छा अवसर है। यह विश्वास करना कठिन है कि ईडन पार्क में खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच को 20 साल हो गए हैं। यह देखना हैरानी की बात है कि यह प्रारूप कितना आगे बढ़ गया है और मुझे पता है कि दोनों टीमें बे ओवल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार रहेंगी।

न्यूजीलैंड टीम- माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट और ईश सोढ़ी।

द्रविड़ बन सकते हैं इन तीन में से किसी एक टीम के कोच

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तीन-तीन फ्रेंचाइजियां राहुल द्रविड़ को नये सत्र के लिए अपना कोच बनाना चाहती हैं। द्रविड़ पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कोच थे पर उन्होंने सत्र समाप्त होने के बाद पद छोड़ दिया था। तभी से वह नई भूमिका की तलाश में हैं। द्रविड़ के रहते रॉयल्स का सफर आईपीएल 2025 में अच्छा नहीं रहा पर इसके बाद भी उनका प्रभाव कम नहीं हुआ है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने टी20 विश्वपक जीता था। ऐसे में कई फ्रेंचाइजी उन्हें अपने साथ लाना चाहती है। इसमें कोलकाता नाइटराइडर्स से लेकर लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स - लखनऊ

सुपर जायंट्स भी नये कोच की तलाश में है क्योंकि उसने जस्टिन लैंगर को कोच बनाया था पर वह सफल नहीं रहे। इसके बाद उसने जहीर खान को टीम का मेंटॉर बनाया पर टीम की किस्मत नहीं बदली। ऐसे में अब लखनऊ फ्रेंचाइजी भी द्रविड़ को कोच बना सकती है।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर): केकेआर के पास अभी कोई मुख्य कोच नहीं है। गौतम गंभीर के कोच पद छोड़ने के बाद टीम ने चंद्रकांत पंडित को जिम्मेदारी दी पर वह साल 2025 में खिताब का बचाव नहीं कर पाये। कईखिलाड़ी भी उनसे नाराज थे इसलिए उन्हें पद से हटा दिया गया। ऐसे में अब कोलकाता की टीम मुख्य कोच की तलाश में है और इसके लिए वह द्रविड़ को शामिल करना चाहती है।

दिल्ली कैपिटल्स : द्रविड़ पहले भी इस टीम के साथ रहे हैं। वह साल 2016 सीजन में उनके मेंटॉर भी रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी ज्यादा अनुभवी नहीं हैं। ऐसे में नये सत्र के लिए कैपिटल्स द्रविड़ को अपने साथ जोड़ सकती है।

श्रीलंकाई स्पिनर पिता की मौत के कारण एशिया कप छोड़कर स्वदेश लौटा

डेब्यू अच्छा नहीं रहा, पांच छक्के लगने के साथ ही पिता के निधन से दुखों का पहाड़ टूटा

दुबई (ईएमएस)। श्रीलंकाई टीम के युवा स्पिनर दुनिथ वेलालागे के लिए एशिया कप का डेब्यू मैच अच्छा नहीं रहा। उनकी गेंदों पर पांच छक्के लगे और इससे भी दुखद ये रहा कि उनके पिता की दिल का दौरा पड़ने के कारण मौत हो गयी। इस मैच में हालांकि श्रीलंकाई टीम ने अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया। अपना पहला ही मैच खेल रहे इस खिलाड़ी को टीम मैनेजर ने पिता के निधन के बारे में बताया। ये 22 साल के इस स्पिनर के लिए दिल टूटने वाली खबर थी। इसके बाद वह तत्काल स्वदेश लौट गये। कप्तान चरिथ असलंका ने उन्हें अंतिम ओवर के लिए बुलाया था। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी ने इस ओवर का पूरा लाभ उठाया नबी ने पहली तीन गेंदों मे लगातार छक्के लगाये। इसके बाद एक नो बॉल हुई और फिर उन्होंने लगातार दो छक्के लगाये। वेलालागे के ओवर में कुल 32 रन बने। वेलालागे 5 छक्के के कारण निराश थे और ऐसे में पिता की मौत की खबर से वह पूरी तरह से टूट गये।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाये चार विकेट पर 403 रन

लखनऊ विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के शतक 113 रनों की सहायता से भारत ए ने यहां ऑस्ट्रेलिया ए के ??खिलाफ जारी अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 403 रन बनाये। जुरेल ने 132 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर 113 रन बनाये। जुरेल के अलावा बल्लेबाज एन जगदीशन ने 64, बी साई सुदर्शन ने 73 और देवदत्त पडिक्कल ने नाबाद 86 रन बनाये। इससे पहले सैम कोंस्टास के 109 रनों और जोश फिलिप के नाबाद 123 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने अपनी पहली पारी में 6 विकेट पर 532 रन बनाये थे। इस प्रकार भारत ए की टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 129 रनों से पीछे हैं। आज सुबह भारत ए ने एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलने के साथ शुरू किया। जगदीशन और सुदर्शन की जोड़ी अधिक नहीं खेल पायी। जगदीशन, 64 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद मेजबान टीम ने सुदर्शन और पडिक्कल की 76 रनों की साझेदारी से स्कोर आगे बढ़ाया। सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर उतरे पर वह बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। वह 8 रन ही बना पाये।

अगर आपको 20 विकेट लेने हैं तो इस खिलाड़ी को टेस्ट टीम का हिस्सा होना चाहिए : अनिल कुंबले

नई दिल्ली। अनुभवी स्पिनर अनिल कुंबले ने बाएं हाथ के गेंदबाज कुलदीप यादव को टेस्ट टीम में शामिल करने की वकालत की है, जो अपने साथ एक 'एक्स-फैक्टर' लेकर आते हैं जो भारत को 20 विकेट लेने के एक कदम और करीब ले जाता है। कुलदीप इस साल की शुरुआत में भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान पूरी तरह से बाहर रहे। यह उनकी फॉर्म या उनके कौशल की कमी की बात नहीं थी; टीम संयोजन और बल्लेबाजी में गहराई की चाह ने उनके लिए कोई जगह नहीं छोड़ी। कुंबले ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आपको 20 विकेट लेने हैं तो कुलदीप यादव को टेस्ट मैच क्रिकेट का हिस्सा होना चाहिए। हां, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं। लेकिन मुझे लगता है कि कुलदीप का एक्स-फैक्टर यह है कि उन्हें चुनना आसान नहीं है और हमने यह देखा है।' उन्होंने कहा, 'मैं कुलदीप को प्लेइंग इलेवन में लिस्टेड स्पिनर के तौर पर नंबर एक स्पिनर के रूप में देखना चाहूंगा। और फिर उसके बाद आप जो भी करना चाहें, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज और फिर बाकी खिलाड़ियों को चुनें।'

बुमराह को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में आराम देना चाहिए, विश्व कप विजेता की गंभीर को सलाह

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए के अंतिम मैच से पहले गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव को एक आसान सी सलाह दी है। 1983 विश्व कप विजेता टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच और रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले सुपर 4 मुकाबले से आराम देना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि ऐसा करने से प्रबंधन को 28 सितंबर को होने वाले एशिया कप फाइनल के लिए इस तेज गेंदबाज को तरोताजा रखने में मदद मिलेगी।

गावस्कर ने कहा कि ओमान के खिलाफ मैच भारत को अपने बल्लेबाजों को परखने का मौका देगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे

खिलाड़ियों को क्रीज पर कुछ समय देना चाहिए। बुमराह ने अब तक एशिया कप के दोनों मैच खेले हैं, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के खिलाफ, जहां उन्होंने 3 विकेट लिए हैं। इस तेज गेंदबाज ने थोड़ी सुस्ती दिखाई है, इसलिए यह तय नहीं है कि प्रबंधन इस पर ध्यान देगा या नहीं।

ज़्यादा नियमित खेल समय बुमराह को जल्द से जल्द अपनी लय वापस पाने में मदद करेगा। इससे पहले, 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सभी पाँच टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे, हालाँकि उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया था, जहाँ उन्होंने दो बार पाँच विकेट लिए थे।

गावस्कर ने कहा, 'मेरा मानना है कि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाना चाहिए, शायद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए भी, ताकि वह रविवार 28 तारीख को होने वाले बड़े मैच के लिए उपलब्ध रहें। भारत को इसी पर ध्यान देना चाहिए। बेशक, एक बेंच खिलाड़ी को भी टीम में शामिल करना होगा, लेकिन बुमराह को आराम देने के लिए उन्हें कल के मैच से बाहर रखा जाना चाहिए।'

गुलबदीन ने भारतीय टीम को एशिया और विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया

दुबई। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर गुलबदीन नायब ने कहा है कि भारतीय टीम एशिया ही नहीं विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम है। गुलबदीन ने भारतीय खिलाड़ियों के स्तर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिलता है। गुलबदीन ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का उनका अनुभव काफी अच्छा रहा है। इस अफगान क्रिकेटर ने कहा, भारतीय टीम एशिया और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है, आपको इन खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा, मैंने आईपीएलमें उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है और उनके खिलाफ खेले गए सभी मैचों में हमें बहुत अच्छा अनुभव मिला है। हम यह नहीं कह सकते कि टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम प्रबल दावेदार है, जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। फिर भी, अगर आप स्तर को देखें, तो भारतीय टीम सबसे अच्छी है। नायब आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स में शामिल रहे हैं, जहां उन्होंने दो मैच खेले हैं। टी20 क्रिकेट को लेकर इस ऑलराउंडर ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी खेल का रुख बदल सकता है। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में एक खिलाड़ी खेल का रुख बदल सकता है, चाहे वह शीर्ष क्रम का हो, मध्य क्रम का हो या निचले क्रम का, या फिर स्पिनर हो, कोई भी खिलाड़ी अपने दिन खेल को बदल सकता है। खेल इसी दिशा में जाएगा। टी20 को मनोरंजन का खेल बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट एक मनोरंजक क्रिकेट है, इसलिए हर कोई देश के लिए कुछ करना चाहता है। एशिया कप में एक जीत और एक हार के साथ अफगानिस्तान तीसरे स्थान पर बना हुआ है।

अश्विन के आईएलटी 20 लीग खेलने की संभावना : व्हाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल टी20 लीग (आईएलटी) 20 के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा है कि आने वाले समय में दिग्गज स्पिनर आर अश्विन इस लीग से खेल सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही वह विदेशी लीग में खेलने की संभावनाएं तलाश रहे थे। अश्विन के जिन टूर्नामेंटों में खेलने की चर्चा हो रही है। उनमें से एक आईएलटी 20 लीग भी है। ये लीग संयुक्त अरब अमीरात में खेली जाती है। इस लीग के सीईओ व्हाइट ने कहा कि हाल ही में उनकी अश्विन के साथ काफी अच्छी बातचीत हुई है और उन्होंने कहा कि अगर हम उनके स्तर के खिलाड़ी को लाने में सफल रहे तो यह टूर्नामेंट के लिए बहुत बड़ी बात होगी।

व्हाइट ने बताया, अश्विन के साथ हमारी बातचीत बहुत सकारात्मक रही है और उम्मीद है कि निकट भविष्य में वह हमारी लीग में खेल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर हमें उनके स्तर का कोई खिलाड़ी मिल जाए तो यह बहुत बड़ी बात होगी। वह एक विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके नाम 500 से ज्यादा टेस्ट विकेट, एक शानदार वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर है और उनका क्रिकेट का ज्ञान कमाल का है। उनका एक करिश्माई व्यक्तित्व, खेल की गहरी समझ होना उन्हें अनमोल बनाता है। अगर वह हमारी लीग में खेलते हैं तो हमें बहुत खुशी होगी।

वहीं अश्विन के खिलाड़ी और कोच दोनो ही भूमिका निभाने को लेकर व्हाइट ने कहा, मुझे लगता है कि हम ऐसी किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। न केवल उनके खेल और कोचिंग के लिए बल्कि उनके विश्लेषणात्मक कौशल के लिए भी अहम होगा। उनकी अपनी मीडिया कंपनी है, जिस पर वे काम कर रहे हैं। वे बहुत चतुर व्यक्ति हैं। हम सभी पहलुओं का स्वागत करेंगे।

आईसीसी के आरोपों पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का आया बयान, यह प्रोटोकॉल के दायरे में था

अबुधाबी (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने शुक्रवार को अपने मीडिया मैनेजर द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और टीम अधिकारियों के बीच हुई बैठक का वीडियो बनाने का बचाव करते हुए कहा कि यह ICC प्रोटोकॉल के दायरे में था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने PCB को पत्र लिखकर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (PMOA) संहिता के कई उल्लंघनों का हवाला दिया था जिसमें कोच माइक हेसन, कप्तान सलमान अली आगा और मैनेजर नवीद अकरम चीमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी शामिल थी।

ICC ने PCB की उस प्रेस विज्ञप्ति पर भी सवाल उठाया था जिसमें कहा गया था कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है जबकि इसमें स्पष्ट किया गया था कि रैफरी ने केवल एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के स्थल प्रबंधक द्वारा की गई गलतफहमी पर खेद व्यक्त किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बोर्ड की प्रतिक्रिया पर कहा, 'टीम का मीडिया मैनेजर टीम का हिस्सा है और उसे पीएमओए तक जाने की अनुमति है। वहां उसकी मौजूदगी कोई उल्लंघन नहीं है।'

पीसीबी के अनुसार मौजूदा प्रोटोकॉल मीडिया प्रबंधकों को PMOA में कैमरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। सूत्र ने आगे कहा, 'अगर मानक परिचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया होता तो ICC को मैच रैफरी से यह पूछना चाहिए कि क्या इस मामले की सूचना एसीयू (भ्रष्टाचार रोधी इकाई) को दी गई थी।'

सूत्र के मुताबिक ICC मैच अधिकारी ने इस मामले को पाकिस्तानी टीम के ACU अधिकारी के सामने उठाया था और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया था। इससे पहले वैश्विक संस्था ने PCB को भेजे ईमेल में स्पष्ट कहा था। सूत्र ने कहा, 'आईसीसी ने खेल, टूर्नामेंट और संबंधित हितधारकों के हित को बनाए रखने के लिए PCB के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, हालांकि यह PMOA के प्रति पूर्ण अनादर दर्शाता है।'

यह सब तब शुरू हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया और पीसीबी ने आईसीसी से मैच रैफरी पर खेल भावना से संबंधित प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने की शिकायत की और उन्हें टूर्नामेंट या पाकिस्तान के मैचों से हटाने की मांग की। ICC ने PCB के दावों को खारिज कर दिया और अपने एलीट पैनल मैच रैफरी

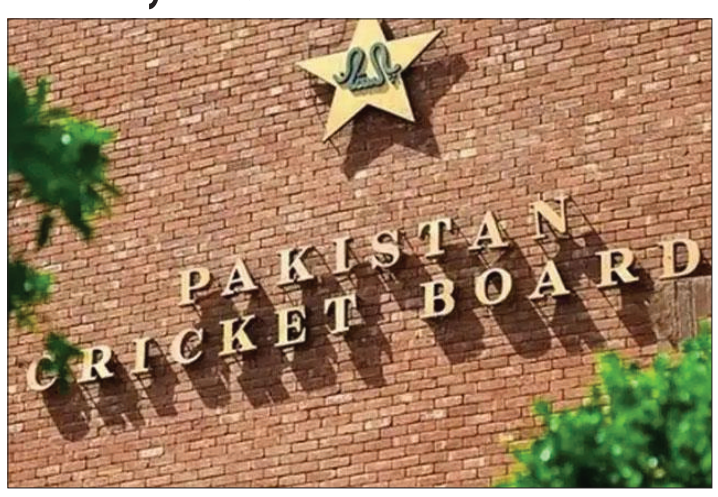

का भी समर्थन किया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह केवल एसीसी स्थल प्रबंधक का संदेश दे रहा था।

उम्मीद है कि एशेज के पांचों टेस्ट में खेलूंगा : पीठ की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस ने दिया बयान

सिडनी। पीठ की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। खेल क्लबों के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बने रहने के लिए संघीय सरकार ने 50 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की गई। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वह पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, 'लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तो हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करेंगे। सच कहूं तो यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है।' कमिंस ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तो खेल ही जाता है। जॉश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे। जाहिर है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको बस एक नए गेंदबाज की जरूरत है, जो आकर टेस्ट मैच में बिना पलक झपकाए 40 ओवर गेंदबाजी कर सके।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

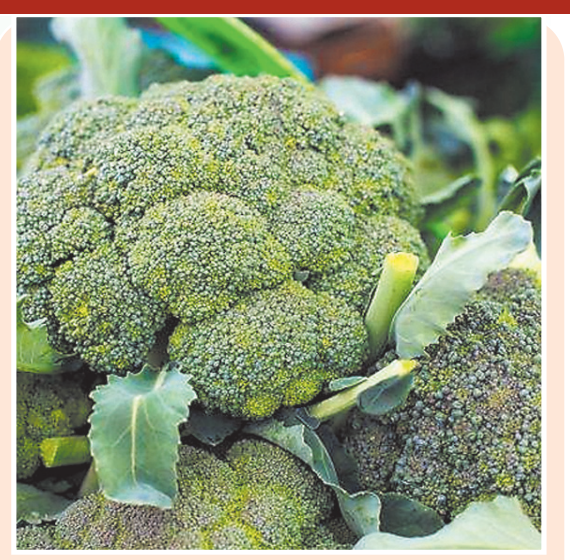

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिल्के के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है।पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलि अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तु बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़क करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रो तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण द रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीब आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लि मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता । जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि हो जाती है । एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

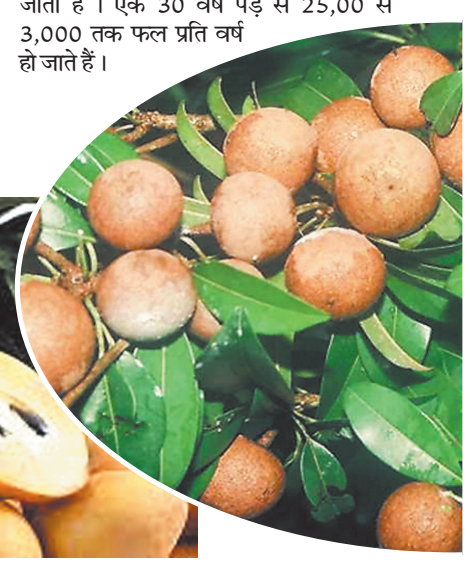

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या को फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का तोहफा देने आ रहे सीएम योगी

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या को दीपोत्सव के मौके पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का तोहफा देने जा रही है। यह रेस्टोरेंट सरयू नदी के किनारे बनेगा और पर्यटकों के लिए एक नया अनुभव होगा। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि यह फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 20.5 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा है। इसमें 12.6 मीटर का हिस्सा रेस्टोरेंट के लिए उपयोग होगा। एक बार में 35 पर्यटक बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। इसकी लागत 3.59 करोड़ रुपये है। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट को मुंबई की लिटमस मरीन कंपनी ने बनाया है। यह अयोध्या में पर्यटक निगम का तीसरा व्यावसायिक प्रतिष्ठान होगा। रेस्टोरेंट पूरी तरह से वातानुकूलित है। इसमें आधुनिक लाइटिंग सिस्टम के साथ-साथ एक सुसज्जित किचन भी है। इस तैयार करने में डेढ़ माह का समय लगा और करीब 20 कारीगरों ने तैयार किया है। इसकी खासियत यह है कि यह रेस्टोरेंट 10 से 15 मीटर गहरे पानी में चलेगा। फ्लोटिंग रेस्टोरेंट न सिर्फ खाने-पीने की सुविधा देगा, बल्कि पर्यटकों के लिए फोटोग्राफी का भी बेहतरीन स्थल बनेगा। नदी के बीच से दिखाई देने वाली राम की पैड़ी, घाटों और दीपोत्सव के समय जगमगाती अयोध्या की झलक पर्यटकों के कैमरे में कैद होकर जीवनभर की यादगार बन जाएगी। यह जगह सेल्फी पॉइंट के रूप में भी तेजी से लोकप्रिय हो सकती है।

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को अमेरिकी पुलिस ने गोली मारी, पिता ने लगाई मदद की गुहार

महबूबनगर (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे एक तेलंगाना के सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पुलिस ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 3 सितंबर को कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में हुई। तेलंगाना के महबूबनगर जिले के रहने वाले 29 साल के मोहम्मद निजामुद्दीन के परिवार का कहना है कि यह घटना कैलिफोर्निया में रूममेट के साथ झगड़े के बाद हुई। निजामुद्दीन के पिता मोहम्मद हसनुद्दीन ने बताया कि उन्हें बेटे की मौत की जानकारी एक दोस्त से मिली। उनका कहना है कि झगड़ा रूममेट से एक मामूली बात को लेकर हुआ था। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर को पत्र लिखकर मदद मांगी है। सांता क्लारा पुलिस के मुताबिक, 3 सितंबर सुबह 6:18 बजे उन्हें इमरजेंसी कॉल मिली। पुलिस ने बताया कि निजामुद्दीन ने झगड़े के दौरान अपने रूममेट को चाकू मार दिया था और जब पुलिस पहुंची तो वह चाकू लेकर दोबारा हमला करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने जबरन घर में प्रवेश कर उन्हें काबू करने की कोशिश की, इसी दौरान गोली चलाई गई। घायल निजामुद्दीन को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से कम से कम एक जान बची। मौके से दो चाकू बरामद हुए। हसनुद्दीन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर बेटे का शव महबूबनगर लाने में मदद मांगी है। उन्होंने लिखा, मुझे नहीं पता कि पुलिस ने उसे क्यों गोली मारी, कृपया तत्काल मदद करें। मजलिस बचाओ तहरीक के प्रवक्ता अमजद उल्लाह खान ने भी परिवार की अपील मीडिया के साथ साझा करते हुए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।

103 यात्रियों वाले एयर इंडिया के विमान से टकराया पक्षी, कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से हैदराबाद जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान से एक पक्षी आकर भिड़ गया। विमान में 103 यात्री सवार थे। कहीं कोई समस्या पैदा न हो इसके लिए आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके पीछे हवा में किसी पक्षी से टकराने का संदेह है। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के निदेशक एस राजा रेड्डी ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या 2658 के पायलट ने उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया और हैदराबाद की यात्रा रद्द कर दी। रेड्डी ने बताया, विशाखापत्तनम से रवाना होने के बाद, पायलट ने इंजन में कुछ समस्या की सूचना दी। इसलिए, उन्होंने आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया और विशाखापत्तनम लौट आए। विमान सुरक्षित रूप से उतरा और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। उन्होंने आगे बताया कि एयरलाइन यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर रही है। निदेशक ने बताया कि विमान दोपहर 2:38 बजे विशाखापत्तनम से रवाना हुआ और केवल 10 समुद्री मील की दूरी तय करने के बाद दोपहर 3 बजे लौट आया। माना जा रहा है कि यह घटना विमान के ऊपर उठने के दौरान हुई।

केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट, एक मजदूर की मौत और चार घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में एक केमिकल फैक्ट्री में गुरुवार शाम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में एक मजदूर की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। धमाका लिबानी साल्ट इंडस्ट्रीज में गुरुवार शाम को हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे फैक्ट्री में विस्फोट हो गया, जब धातु और एसिड को मिलाया जा रहा था। इस वक्त वहां 5 मजदूर मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख ने कहा कि यह अत्यधिक रिएक्टिव प्रोसेस था, जिसके कारण विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दो मजदूरों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। धमाके के बाद अग्निशमन दल और आपदा प्रबंधन कर्मियों सहित आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं और हालात पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुंतरी और धूर्मा में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, हटाया जा रहा मलबा

देहरादून (एजेंसी)। कुंतरी एवं धूर्मा गांव आपदा प्रभावित क्षेत्र में मलबे में दबे व्यक्तियों को निकालने के लिए दूसरे दिन रेस्क्यू जारी रहा। पुलिस, प्रशासन, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। कुंतरी लगा फाली में भी राहत बचाव टीम जुटी हुई है।

अब भाजपा ने किया राहुल पर बड़ा हमला कहा- घुसपैठियों को बनवाना चाहते हैं मतदाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई दिनों से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के जबरियां मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं। ऐसे ही आरोपी के बीच भाजपा ने राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा करते हुए उन पर आरोप लगाया है कि वे घुसपैठियों को भारत का मतदाता बनवाना चाहते हैं। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां सभी लोग एक साथ रहते हैं, लेकिन घुसपैठियों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। राहुल गांधी घुसपैठियों को वोटर बनवाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब बिल्कुल सही है।

मनोज तिवारी ने सवाल उठाया कि यदि राहुल गांधी के आरोपों में सच्चाई है तो उन्होंने चुनाव आयोग को शपथपत्र (एफिडेविट) क्यों नहीं सौंपा। यदि राहुल गांधी के दावे गलत साबित हुए तो उनकी संसद सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। बिना सबूत के इस तरह के बयान लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। एसआईआर एक सामान्य चुनावी प्रक्रिया है, जो देश के सभी राज्यों में लागू होती है। दिल्ली इस मामले में देश से अलग नहीं है। वहीं, दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को जनकपुरी स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में शहर की पहली निपुण शाला का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन सरकार की निपुण संकल्प योजना के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में सुधार करना है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हुई, जिसे सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत गुरुवार को सर्वोदय कन्या विद्यालय सी-3 नंबर-1 में हमने एक निपुण शाला का उद्घाटन किया। इससे छात्राओं की बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार होगा।

कांग्रेस ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए किया संविधान संशोधन-कानून मंत्री मेघवाल

प्रयागराज (एजेंसी)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि संविधान बचाने की बात करने वाली कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान संविधान को तोड़ने-मरोड़ने और नष्ट करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सांविधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस तरह का कृत्य वह 2019 में कर चुके हैं। जिसका जवाब जनता ने उन्हें दिया था। फिर जनता उनको जवाब देगी। केन्द्रीय मंत्री मेघवाल शुक्रवार को आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

कार्यक्रम के बाद वह पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कांग्रेस पर निशान साधते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए संविधान में संशोधन किया। उन्होंने संविधान का दुरुपयोग किया। पीएम मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में अगर संविधान में कोई संशोधन किया है तो वह जनता के हित के लिए किया है अपने स्वार्थ के लिए नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भारत का संसद भवन आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। महिलाओं संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में पारित कराकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया गया है।

बेंगलुरु की सड़कों पर हुए गड्ढों को लेकर सियासत शुरु, लोगों को वाहन निकालना हुआ कठिन

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। गड्ढे ठीक होते इससे पहले यहां राजनीति शुरु हो गई है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों ने उनसे गड्ढों को लेकर सवाल पूछ लिए। इस पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़कों की मरम्मत जल्द पूरी होगी इसकी व्यवस्था कर दी गई है। लेकिन जैसे ही उनसे एचडी कुमारस्वामी के एक्स पोस्ट के बारे में पूछा गया कि बेंगलुरु की खराब सड़कों के कारण आईटी कंपनियां डर रही हैं तो शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा, वे खुद को प्रधानमंत्री का दाहिना हाथ कहते हैं, तो फिर बेंगलुरु के लिए 10,000 करोड़ रुपए क्यों नहीं ला पाए? उन्होंने कहा था कि मेकदाटू प्रोजेक्ट की मंजूरी 5 मिनट में ले आएंगे, क्या हुआ उसका? महादयी और अपर कृष्णा प्रोजेक्ट पर उनकी चुप्पी क्यों है? अगर वो मिट्टी का बेटा हैं, तो महाराष्ट्र द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जाने की धमकी पर बयान क्यों नहीं दे रहे? उन्होंने ये भी कहा कि शिक्षण संस्थानों के बच्चों से प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखवाना राजनीति का हिस्सा है, अगर कुमारस्वामी को राजनीति ही करनी है तो सीधे चुनाव लड़ें।

जब उनसे पूछा गया कि इतने हजारों करोड़ खर्च होने के बावजूद गड्ढे क्यों बने रहते हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, यह समस्या सिर्फ ट्वीट करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से नहीं सुलझेगी। हमने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है और जल्द इसका समाधान होगा। जब उनसे नारा लोकेश द्वारा कंपनियों को आंध्र प्रदेश आने का न्योता देने पर शिवकुमार ने कहा, वहां बिजनेस है ही नहीं, इसलिए बुलावा दे रहे हैं। पीएम ने खुद बेंगलुरु को ग्लोबल सिटी कहा है। यहां 25 लाख इंजीनियर हैं, जबकि कैलिफोर्निया में सिर्फ 13 लाख। यहां 2 लाख से ज्यादा विदेशी प्रोफेशनल्स काम कर रहे हैं। बेंगलुरु का टैलेंट और सिस्टम ही इसकी पहचान है।उन्होंने केंद्र पर भी आरोप लगाया कि बेंगलुरु के विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक रुपया भी नहीं दिया।

रात 1.30 बजे ही क्यों ऑपरेशन सिंदूर अंजाम दिया गया... सीडीएस चौहान ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा भारतीय सेना ने अपनी ताकत का एहसास पूरी दुनिया से कराया है। भारतीय सेना का मिशन पूरी तरह सफल रहा और इसकी दुनिया भर खासकर पाकिस्तान में इसकी खूब चर्चा हुई। पाकिस्तान को इस ऑपरेशन में भारी नुकसान हुआ। वहीं ऑपरेशन को लेकर लोगों के मन एक सवाल था कि रात 1.30 बजे ही क्यों ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। इस सवाल का जवाब सीडीएस अनिल चौहान ने शुक्रवार को दे दिया।

सीडीएस चौहान ने कहा यदि सुबह 5 या 6 बजे के बीच ऑपरेशन चलाते, तब वह समय अजान का होता। इस दौरान वहां कई लोग मौजूद होते, इसकारण सेना ने तय किया कि रात 1.30 बजे कार्रवाई को अंजाम दिया जाए। सीडीएस चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक नए प्रकार के युद्ध की शुरुआत की है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हमले के दौरान हर बार भारत ने पाकिस्तान को निर्णायक रूप से हराया।

सीडीएस चौहान ने रात के समय कार्रवाई के पीछे कहा कि सेना को अपनी तकनीक पर पूरा भरोसा है। सैटेलाइट इमेज और दूसरी तकनीक के द्वारा सटीक निशाना साधा जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि लंबी दूरी के टारगेट को रात में भी कैसे हिट किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक युद्ध के विपरीत युद्ध भूमि, वायु, समुद्र और साइबर क्षेत्र में लड़ा गया। जनरल चौहान ने कहा कि यहां जीत का एक पैमाना हमारे हमले की उच्च तकनीक थी जिसका प्रदर्शन वहां हुआ। रात के समय लंबी दूरी के लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने हर बार पाकिस्तान को निर्णायक रूप से हराया।

बॉम्बे हाईकोर्ट को फिर मिली बम की धमकी, अलर्ट पर मुंबई पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। एक बार फिर मुंबई में दहशत का माहौल हो गया जब बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति ने हेल्पलाइन 112 पर कॉल करके हाई कोर्ट परिसर में बम विस्फोट होने की चेतावनी दी। इस कॉल के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बम निरोधक दल, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को खाली करवाकर सघन तलाशी अभियान चलाया। मगर कहीं भी कोई संदेहस्पद सामान नहीं मिला। फिलहाल हाई कोर्ट परिसर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और मुंबई पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि कॉल असली थी या फर्जी। उधर एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार धमकियाँ मिलने से नागरिकों और कोर्ट कर्मचारियों में डर का माहौल है।

* मुंबई पुलिस ने अलर्ट जारी किया

मुंबई पुलिस ने बम विस्फोट की धमकी के बाद तुरंत अलर्ट जारी किया है। सुरक्षा कारणों से पूरे शहर में कड़े एहतियाती कदम उठाए गए हैं। कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शहर के महत्वपूर्ण चौराहों, रेलवे स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्ती दलों की संख्या बढ़ा दी गई है। साथ ही, तटीय इलाकों और प्रमुख समुद्री मार्गों पर कड़ी जाँच शुरू कर दी गई है। नौसेना और तटरक्षक बल से भी लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से शांत रहने की अपील की है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का अनुरोध किया है। आधिकारिक तौर पर कहा गया है कि पुलिस किसी भी संभावित भ्रम से बचने के लिए पूरी तरह तैयार है।

* अज्ञात कॉलर की तलाश जारी

मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अदालत को प्राप्त 112 धमकी भरे कॉल के स्रोत का पता लगाने का काम तत्काल शुरू कर दिया गया है। तकनीकी टीमें और साइबर अपराध शाखा की एक टीम मामले पर काम कर रही है। पुलिस अब कॉल रिकॉर्ड, नंबर के लोकेशन डेटा, वॉयस कॉल के सिग्नेचर और अन्य डिजिटल सुरागों की गहन जाँच कर रही है। साथ ही, कॉल के कुछ संभावित चैनलों जैसे वॉयसओवर-आईपी, इंटरनेट-आधारित ऐप या स्थानीय सिम की जाँच करके असली कॉलर का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि तकनीकी विश्लेषण से प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर ही जाँच की दिशा तय की जाएगी, इसलिए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुँचे सावधानीपूर्वक जाँच की जा रही है।

सुरक्षा उपायों के साथ हेलीकॉप्टर सेवा शुरु, अब आसान होगी चारोंधाम यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मॉनसून अंतराल के बाद 15/16 सितंबर 2025 से चारधाम यात्रा 2025 के लिए हेलीकॉप्टर परिचालन फिर से आरंभ करने की स?वीकृति दे दी है। नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के नेतृत्व में गहन समीक्षा के बाद चारधाम यात्रा और अधिक सुरक्षित बनाने हेतु महत?वपूर्ण पहल की गई है। सुरक्षा में कोई चूक बिल?कुल बर्दाश्त न करने के स्पष्ट आदेश के साथ, डीजीसीए को सख्त कदम उठाने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार नायडू ने डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राज्य सरकार और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून और दिल्ली में कई समीक्षा बैठकें कीं। नागर विमानन मंत्री के निर्देशों के अनुसार, डीजीसीए ने अपनी टीम द्वारा सभी हेलीपैड, हेलीकॉप्टरों, संचालकों की तैयारियों और सहायता सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण/आकलन किया। इसके बाद उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को संचालन फिर से आरंभ करने की स?वीकृति दी गई।

इसके अलावा, नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा सभी हेलीकॉप्टर संचालक कंपनियों और पायलटों को चुनौतियों तथा तीर्थयात्रा संचालन से संबंधित परिपत्र में अपनाए गए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। डीजीसीए चारधाम यात्रा हेलीकॉप्टर संचालन पर कड़ी और निरंतर निगरानी रखेगा। मई-जून 2025 में चारधाम सेक्टर में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद, विभिन्न उच्चाधिकार प्राप्त समितियों ने सुरक्षित हेलीकॉप्टर संचालन में सुरक्षा उपायों की सिफ़ारिश की थी, जिनमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण - एएआई द्वारा हवाई यातायात नियंत्रकों, भारतीय मौसम विभाग द्वारा मौसम विज्ञान अधिकारियों और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) द्वारा नियंत्रण कक्षों में योग्य कर्मियों की तैनाती शामिल है। सुरक्षा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आकस्मिक जांच और आकलन किए जाएंगे। डीजीसीए उच्चतम स्तर की विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने फिर दोहराया है कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोपरि है। चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा फिर से आरंभ होने से श्रद्धालुओं को इन पवित्र तीर्थस्थलों तक परिवहन का एक सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद साधन उपलब्ध होने की उम्मीद है।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 24 को, एसआईआर और 'वोट चोरी' पर होगा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने 24 सितंबर को पटना में अपनी विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाने का ऐलान किया है। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों और विधायक दलों के नेता, साथ ही कार्यसमिति के स्थायी व आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे।

बैठक का मुख्य एजेंडा बिहार में पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करना, सीट-बंटवारे पर चर्चा करना और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसईआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाना होगा। कांग्रेस का आरोप है कि एसईआर के बहाने बड़े पैमाने पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीब वर्गों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कई जगहों पर मृत या डुप्लीकेट नाम जोड़े जाने और जीवित मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतें भी दर्ज कराई हैं।

बैठक में 'वोट चोरी' का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठने की उम्मीद है। राहुल गांधी ने हाल में अपनी सभाओं में इस आरोप को लगातार दोहराते हुए कहा है कि जनता के अधिकारों से खिलवाड़ हो रहा है और मतदाता सूचियों में हेरफेर किया जा रहा है। इधर बिहार में महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर मतभेद बने हुए हैं। कांग्रेस चाहती है कि उसे पर्याप्त सीटें दी जाएँ, जबकि अन्य दल पिछले नतीजों के आधार पर कम सीटें देने के पक्ष में हैं। इसी बीच कांग्रेस ने प्रदेश चुनाव समिति का गठन कर संभावित उम्मीदवारों और सीट वितरण की रूपरेखा तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पटना में बैठक कर कांग्रेस पार्टी न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को संदेश देना चाहती है कि केंद्रीय नेतृत्व राज्य की लड़ाई में पूरी ताकत से उतरेगा, बल्कि यह भी दर्शाना चाहती है कि पार्टी चुनाव से पहले पारदर्शिता, मतदाता अधिकार और गठबंधन की मजबूती जैसे अहम मुद्दों पर गंभीर है।

नीरव ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को फिर से खोलने की मांग रखी, लग सकता है भारत को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में फंसे कारोबारी नीरव मोदी ने एक नई चाल चली है। उन्होंने ब्रिटेन की अदालत ने उस अपील को स्वीकार कर लिया है, जिसमें उसने अपनी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को फिर से खोलने की मांग रखी। इससे उसे जल्द भारत लाने की कोशिशों को झटका लग सकता है। इस फैसले के बाद भारत सरकार और जांच एजेंसियां लंदन को जवाब भेजने की तैयारी में हैं, ताकि लंबी कानूनी लड़ाई से बचा जा सके। सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, नीरव मोदी ने अपनी कानूनी टीम के जरिए पिछले महीने यूके की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, जिसमें उसने भारत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील को फिर से खोलने की मांग की। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है और भारत सरकार को नोटिस भेजा गया है।

नीरव ने अपनी अर्जी में दावा किया कि अगर उसे भारत भेजा गया तो कई एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी और इस दौरान उसे यातना का सामना करना पड़ सकता है। अदालत ने अभी इस अर्जी पर सुनवाई की तारीख तय नहीं की है। एक अन्य सरकारी अधिकारी ने कहा, हम विस्तार से जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं, जो राजनयिक चैनलों के जरिए भेजा जाएगा। हम नीरव के दावों का खंडन करेंगे। अदालत से इस अर्जी को खारिज करने की अपील करेंगे, क्योंकि प्रत्यर्पण का आदेश 2022 में ही अंतिम हो चुका था। बता दें कि भारत सरकार यह बताने की योजना बना रही है कि अगर नीरव को प्रत्यर्पित किया गया, तो उसका मुकदमा पूरी तरह भारतीय कानून के अनुसार होगा। साथ ही, किसी भी एजेंसी की ओर से उससे पूछताछ नहीं की जाएगी। बता दें कि नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, विश्वासघात, भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और करार उल्लंघन के गंभीर आरोप हैं। 2011 से 2017 तक उन्होंने अपनी कंपनियों (जैसे फायरस्टार डायमंड, सोलर एक्सपोर्ट्स) के लिए पीएनबी के मुंबई ब्रांच से 1,200 से अधिक फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग हासिल किए, जो विदेशी बैंकों से कर्ज लेने के लिए इस्तेमाल हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल : जेन-जी के प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के सम्मान में राष्ट्रीय शोक दिवस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के सम्मान में राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया गया। इस मौके पर देश के सभी सरकारी कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। गृह मंत्रालय ने कहा, जेन-जी द्वारा 8 और 9 सितंबर को आयोजित विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों की स्मृति में पूरे नेपाल में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहे। इसके साथ ही विदेशों में सभी नेपाली दूतावास और मिशन भी इस मौके पर बंद रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने घोषणा की थी कि 8 और 9 सितंबर को जनरेशन-जी के विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को बलिदानी घोषित किया जाएगा। इन हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मारे गए 72 लोगों में 3 पुलिसकर्मी भी थे। आंदोलन के दौरान राजनीतिक नेताओं के घरों, वाहनों को फूंक दिया गया था। इस बीच देश में भारी अशांति के बाद विजयादशमी व दीपावली के त्योहारों के नजदीक आते ही लोग बाजारों में खरीदारी में भी व्यस्त हो गए हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स और टीएमजेड के खिलाफ अमेजन जनजाति का मुकदमा खारिज

न्यूयॉर्क , एजेंसी। कैलिफोर्निया के एक अदालत ने ब्राजील के अमेजन क्षेत्र की एक जनजाति द्वारा अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स और टीएमजेड के खिलाफ दायर मुकदमे को खारिज कर दिया है। इस मुकदमे में दावा किया गया था कि अखबार ने जनजाति के इंटरनेट से पहली बार परिचित होने पर जो रिपोर्टिंग की, उसमें जनजाति के सदस्यों को व्यापक रूप से तकनीक से प्रभावित और अश्लील सामग्री के आदी के रूप में चित्रित किया गया। यह मुकदमा मई में जावरी घाटी की मारुबो जनजाति द्वारा दायर किया गया था, जो अमेजन वर्षावन में लगभग 2,000 लोगों का समुदाय है। मुकदमे में दावा किया गया था कि टीएमजेड और याहू की खबरों ने टाइम्स की रिपोर्टिंग को बढ़ा-चढ़ाकर और सनसनीखेज बनाकर पेश किया और इससे जनजाति की बदनामी हुई। इस महीने की शुरुआत में याहू को प्रतिवादी के रूप में खारिज कर दिया गया था। अदालत ने याचिकाकर्ता के तर्क को सही नहीं माना और याचिका खारिज कर दी।

चार्ली किर्क पर टिप्पणी के लिए इल्हान उमर के खिलाफ नहीं होगी कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निचले सदन ने बुधवार को चार्ली किर्क की हत्या के बाद की टिप्पणियों के लिए अपनी ही एक सदस्य इल्हान उमर को दंडित करने से इनकार कर दिया। 214-213 मतों से पारित प्रस्ताव में दक्षिण कैरोलिना की रिपब्लिकन प्रतिनिधि नैन्सी मेस के उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया, जिसमें मिनेसोटा की डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर की निंदा करने और उन्हें सदन की दो समितियों : शिक्षा एवं कार्यबल, और बजट से हटाने का प्रस्ताव था। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई है। मेस ने कहा है कि उमर, एक अप्रवासी हैं, जिन्होंने मिनियापोलिस में 2020 में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद बंदूक रखने और नस्लीय संबंधों पर किर्क के विचारों की आलोचना की थी, को उसके गृह देश सोमालिया भेज दिया जाना चाहिए। उमर ने कहा कि मेस पैसे जुटाने और गवर्नर पद के लिए अपनी दावेदारी को मजबूत करने के लिए एक झूठी कहानी गढ़ रही हैं। चार्ली किर्क की बीते दिनों गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

ऑक्सफोर्ड से मेडिकल पढ़ाई का फर्जी दावेदार प्रतिबंधित

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई का झूठा दावा करने वाले भारतीय मूल के वकील अनुराग मोहिंदू (50) को पेशेवर कदाचार के आरोप में दोषी करार देते हुए प्रतिबंधित कर दिया है। अनुराग पर 'बार स्टैंडर्ड बोर्ड' ने भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिससे कानूनी पेशे में भरोसा खत्म होने की आशंका थी। उसने नवंबर 2012 में 23 एसेक्स स्ट्रीट चैंबर में पद का आवेदन देते समय कानूनी पेशे को बदनाम किया। बोर्ड ने इस हफ्ते जारी बयान में कहा, अनुराग ने अपने बायोडाटा में दावा किया कि उन्होंने ऑक्सफोर्ड विवि से बायोमेडिकल साइंस/मेडिसिन की पढ़ाई की है, जबकि उन्होंने ऐसा नहीं किया था। न्यायाधिकरण ने पाया कि यह बार के सदस्यों से अपेक्षित मानकों का उल्लंघन था।

ट्रम्प ने एंटीफा मूवमेंट को आतंकवादी संगठन घोषित किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वामपंथी, फासीवाद विरोधी एंटीफा मूवमेंट को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। उन्होंने ये कदम अपने करीबी और दक्षिणपंथी (Right Wing) राजनीतिक कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के कुछ दिनों बाद उठाया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने एंटीफा को फंड मुहैया कराने वालों को भी केतावनी देते हुए कहा है कि जो भा इस आंदोलन की मदद करेगा, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और नियमानुसार गहन जांच की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे अपने सभी अमेरिकी देशभक्तों को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि मैं एंटीफा, एक बीमार, खतरनाक, कट्टरपंथी वामपंथी आपदा, को एक प्रमुख आतंकवादी संगठन घोषित कर रहा हूँ। मैं यह भी दृढ़ता से अनुशंसा करता हूँ कि एंटीफा को वित्तपोषित करने वालों की उच्चतम कानूनी मानकों और प्रथाओं के अनुसार गहन जाँच की जाए। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

क्या है एंटीफा मूवमेंट : एंटीफा फासीवाद-विरोधी यानी एंटी फासिस्ट का संक्षिप्त रूप है, जिसका इस्तेमाल बिखरे हुए वामपंथी समूहों के लिए किया जाता है। यह अमेरिका में एक वामपंथी विचार वाला फासीवाद विरोधी

राजनीतिक आंदोलन है, जो नस्लीय हिंसा या भेदभाव के खिलाफ आवाज बुलंद करता है। यह संगठन अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए अमूमन अहिंसक कदम उठाता रहा है लेकिन कई मौकों पर हिंसक कदम भी उठा चुका है। एंटीफा अहिंसक तौर तरीकों में पोस्टर-बैनर और फ्लायर के जरिए अपने राजनीतिक आंदोलनों को धार देता रहा है। हालांकि, कुछ लोग डिजिटल सक्रियता, डॉक्सिंग के अलावा उत्पीड़न, यहां तक की शारीरिक हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुँचाने जैसी रणनीतियां भी अपनाते रहे हैं। इस आंदोलन के समर्थकों का उद्देश्य दक्षिणपंथी चरमपंथियों से मुकाबला करना है। ये लोग नस्लीय भेदभाव के खिलाफ भी लड़ाई लड़ते रहे हैं।

लाल और काले झंडे का मिश्रण : सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के अनुसार, एंटीफा द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे आम प्रतीकों में से एक 1917 की रूसी क्रांति के लाल झंडे और 19वीं सदी के अराजकतावादियों के काले झंडे का मिश्रण है। एंटीफा समूह अक्सर दक्षिणपंथी सभाओं और रैलियों को बाधित करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। कहा जाता है कि वे सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड पीयर-टू-पीयर नेटवर्क और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं।

चार्ली किर्क ने मौत से पहले भेजे थे संदेश : इस सप्ताह की शुरुआत में, सोमवार को, व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि चार्ली किर्क ने उन्हें जो अंतिम संदेश भेजा था, उसमें हिंसा को बढ़ावा देने के आरोपी वामपंथी समूहों के खिलाफ एक मिलजुलकर एक कोशिश करने का आह्वान किया गया था। मिलर ने वादा किया कि संघीय सरकार उन्हें खत्म करने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का इस्तेमाल करेगी। मिलर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा आयोजित द चार्ली किर्क शो पॉडकास्ट पर बोल रहे थे। करीब आधा दशक पहले, मई 2020 में, भी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सुस्त एंटीफा आंदोलन को आतंकवादी संगठन घोषित करने की बात कही थी।

यूटा वैली यूनिवर्सिटी में किर्क की हत्या : 31 वर्षीय चार्ली किर्क की 10 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान हत्या कर दी गई थी। उनके गर्दन में गोली मारी गई थी। इस हमला के कुछ ही पल बाद हमलावर घटनास्थल से फरार हो गया था। हालांकि, हमलावर टायलर रॉबिन्सन को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। किर्क गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के सह-संस्थापक थे और ट्रंप के करीबी सहयोगी थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर उनकी मौत की घोषणा करते हुए किर्क की महान कहकर प्रशंसा की थी।

हैरिस ने अपनी किताब में खोले कई राज- बुटिजज को लड़ाना चाहती थीं उपराष्ट्रपति चुनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपनी नई किताब में कई बड़े खुलासे किए है। इसी में एक खुलासा उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर किया है। हैरिस ने बताया कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी पहली पसंद बतौर रनिंग मेट पीट बुटिजज थे। हालांकि, उन्होंने यह जोड़ी बनने से पहले ही पीछे हटने का फैसला लिया क्योंकि उन्हें लगा कि अमेरिका एक साथ इतने बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। हैरिस ने 107 डेज नामक किताब में लिखा कि परिवहन मंत्री पीट बुटिजज उनके लिए आदर्श चुनावी साथी होते। उन्होंने कहा, कि अगर मैं एक श्वेत पुरुष होती, तो शायद यह जोड़ी आदर्श होती। लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका से एक साथ महिला, अश्वेत और यहूदी पृष्ठभूमि वाले परिवार को स्वीकार करने की उम्मीद करना उस समय बड़ा जोखिम होता।

दिल तो चाहता था, लेकिन... : किताब में हैरिस लिखती हैं कि उनका मन तो कहता था कि चलो कर ही देते हैं लेकिन चुनाव की गंभीरता को देखते हुए उन्हें समझ आया कि यह दांव जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीट और वे दोनों इस हकीकत को समझते थे और यह निर्णय उनके लिए दुखदायी

भी था।

बुटिजज का राजनीतिक सफर : पीट बुटिजज इंडियाना के साउथ बेंड शहर के मेयर रहे और नौसेना रिजर्व में इंटेलिजेंस ऑफिसर भी। वे 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के तौर पर उतरे और आयोवा कॉकस में शीर्ष पर भी रहे। इसी दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस मोड़ पर हैरिस ने उनके साथ जोड़ी बनाने का विचार छोड़ दिया। 2024 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने बहस में खराब प्रदर्शन के बाद चुनावी दौड़ से हटने का एलान किया, तब डेमोक्रेटिक पार्टी का चेहरा हैरिस बनीं। अंततः उन्होंने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ को रनिंग मेट चुना। बता दें, वाल्ज की टिप्पणी ये लोग बस अजीब हैं ट्रंप और जेडी वेंस पर खूब वायरल हुई थी। इसके बावजूद हैरिस चुनाव हार गई थीं।

बांग्लादेश में सूफी इस्लाम पर भी खतरा, 100 से ज्यादा हमले, मोहम्मद यूनुस सरकार ने ओढ़ी चुप्पी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते साल शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही कट्टरपंथी ताकतें हावी हैं। हिंदुओं, ईसाइयों पर हमले के बाद मुसलमानों का ही एक तबका इन कट्टरपंथियों के निशाने पर है। एकदम पाकिस्तान की राह पर ही चलते हुए बांग्लादेश के कट्टरपंथियों ने देश भर में 100 जगहों पर सूफी संतों की मजारों पर हमले किए हैं। इससे पहले हिंदू मंदिरों, ईसाई समुदाय की चर्चों और अहमदिया समुदाय की मस्जिदों को टारगेट किया जाता रहा है। बांग्ला संस्कृति में सूफी संतों की मजारों और दरगाहों का एक लंबा इतिहास रहा है। लेकिन वहाबी इस्लाम में किसी मजार या दरगाह आदि को स्वीकार नहीं किया जाता।

जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता से विदाई होने के बाद से अब तक 100 सूफी मजारों पर हमले हो चुके हैं। अब तक ऐसे मामलों में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने कोई ऐक्शन नहीं लिया है। माना जाता है कि सूफी संतों की मजारें और दरगाहें इस्लाम के उदार स्वरूप का हिस्सा रही हैं, लेकिन वहाबी कट्टरपंथी इनके खिलाफ रहे हैं। यही कारण है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक में इन पर निशाने साधे जा रहे हैं। इन हमलों में मजारों को तोड़ना, लूटना और वहां मौजूद लोगों की पिटाई तक शामिल है।

माना जा रहा है कि बांग्ला समुदाय में सेकुलरिज्म के मूल्यों को कमजोर करने और हिंदू समुदाय के साथ सद्भाव को खत्म करने के लिए भी इस तरह के हमले हो रहे हैं। इस्लाम की शुद्धता के नाम पर इस तरह के हमले दूसरे धर्मों के लोगों पर हो रहे हैं। दरअसल भारतीय उपमहाद्वीप में सूफी परंपरा का विकास कई सदियों पुराना है और इनकी मान्यताएं हिंदुओं से भी कुछ हद तक मिलती जुलती हैं। इसके अलावा कट्टरपंथियों का कहना रहा है कि सूफी मजारें इस्लाम के उस सिद्धांत के खिलाफ हैं, जिसके तहत मूर्ति पूजा या फिर किसी ढांचे को मत्था टेकना वर्जित है।

बीएलए और मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग, पाकिस्तान और चीन का संयुक्त प्रस्ताव

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के सामने यह प्रस्ताव पेश किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा कि आईएसआईएल-के, अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और उसकी मजीद ब्रिगेड सहित कई आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान से संचालित हो रहे हैं। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी सीमा के पार अफगानिस्तान में 60 से ज्यादा आतंकी शिविर संचालित हो रहे

हैं। पाकिस्तान वर्तमान में सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि अहमद ने कहा, पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से 1267 प्रतिबंध समिति को बीएलए और मजीद ब्रिगेड को प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया है। हमें उम्मीद है कि परिषद उनकी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई करेगी। पाकिस्तान वर्तमान में 15 देशों की सुरक्षा परिषद में 2025-26 के कार्यकाल के लिए एक अस्थायी सदस्य के रूप में शामिल है, जबकि चीन इस शक्तिशाली निकाय का वीटो-अधिकार प्राप्त स्थायी सदस्य है। बीएलए का आत्मघाती दस्ता है मजीद ब्रिगेड पाकिस्तान 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और आतंकवाद-रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी है। अहमद ने कहा कि अफगान तालिबान अधिकारियों को आतंकवाद-रोधी अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करना चाहिए। अहमद ने कहा, अफगानिस्तान से पैदा हुआ आतंकवाद पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। साल 2011 में गठित मजीद ब्रिगेड, बीएलए का आत्मघाती दस्ता है और यह मुख्यतः पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी हितों को निशाना बनाता है। पाकिस्तान में कई आत्मघाती हमलों में शामिल रहे हैं ये संगठन पिछले महीने, अमेरिका ने बीएलए और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। कई आतंकवादी हमलों के बाद 2019 में वाशिंगटन द्वारा बीएलए को एसडीजीटी घोषित किया गया था। साल 2024 में, बीएलए ने कराची हवाई अड्डे और ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर के पास आत्मघाती हमले करने का दावा किया था।

बांग्लादेश: शेख हसीना और उनके परिवार का वोटर कार्ड ब्लॉक, अगले चुनाव में वोटिंग पर रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के कई सदस्य अगले साल होने वाले चुनाव में वोट नहीं डाल सकेंगे। उनके राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) कार्ड ब्लॉक कर दिए गए हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग (ईसी) के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि जिन लोगों का राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) ब्लॉक है, वे विदेश से वोट नहीं डाल सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने मुकदमों या अन्य कारणों से देश छोड़ा है, वे वोट डाल सकते हैं, बशर्ते उनका एनआईडी ब्लॉक न हो।

उन्होंने कहा कि विदेश से वोट देने के लिए एनआईडी नंबर के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। पासपोर्ट से यह काम नहीं होगा। अगर किसी का एनआईडी ब्लॉक है, तो वे रजिस्टर नहीं कर सकते और वोट नहीं डाल पाएंगे। केवल एनआईडी के साथ रजिस्टर करने वालों को ही यह मौका मिलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या शेख हसीना वोट दे पाएंगी, तो उन्होंने कहा, वह वोट नहीं दे पाएंगी, क्योंकि उनका एनआईडी ब्लॉक कर दिया गया है। राष्ट्रीय पहचान पंजीकरण विंग ने अपने महानिदेशक, एएसएम हुमायूं कबीर के मौखिक निर्देश के बाद हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्यों की एनआईडी को लॉक कर दिया था।

परिवार के सदस्यों में शेख रेहाना सिद्दीकी, सजीब वाजेद जॉय, साइमा वाजेद, शाहनाज सिद्दीकी, बुशरा सिद्दीकी, ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीकी, अजमीरा सिद्दीकी, राडवान मुजीब सिद्दीकी और तारिक अहमद सिद्दीकी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई की शुरुआत में चुनाव आयोग ने देश में पार्टी के दशकों पुराने राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त करने के प्रयास में हसीना की अवामी लीग पार्टी के चुनाव चिन्ह को अपनी वेबसाइट से हटा दिया था।

12 मई को मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह प्रतिबंध आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत तब तक लगाया गया है जब तक कि बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ मुकदमा पूरा नहीं हो जाता।

विश्लेषकों का मानना ??है कि यह ताजा घटनाक्रम पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा की जा रही राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई का विस्तार है, जिसमें अवामी लीग को राष्ट्रीय चुनावों में भाग लेने से दूर रखने की बड़ी योजना है।

ट्रंप से मेरा कोई रिश्ता नहीं, वह कोई सम्राट नहीं हैं: राष्ट्रपति लुई इनाशियो लुला डा सिल्वा

ब्रासीलिया , एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुई इनाशियो लुला डा सिल्वा ने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के प्रति खुलकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने साफ कर दिया है कि ट्रंप के साथ उनका किसी भी तरह का रिस्ता नहीं है। उन्होंने अमेरिकी की तरफ से ब्राजील पर लगाए गए टैरिफ को भी राजनीतिक दुश्मनी करार दिया है। खास बात है कि भारत की तरह ही ट्रंप ने ब्राजील पर भी 50 फीसदी टैरिफ लगाया है।

बीबीसी से बातचीत में सिल्वा ने चेताया है कि टैरिफ के चलते अमेरिकी जनता को कॉफी और मांस जैसे ब्राजीली उत्पादों के लिए ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ेगा। उन्होंने पहले कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप ब्राजील के साथ अपने रिश्तों में जो गलती कर रहे हैं, उसका भुगतान अमेरिका के लोग करेंगे।

नहीं हुई दोनों में बात : जब सवाल किया गया कि ट्रंप से संपर्क करने की कोशिश क्यों नहीं की गई, तो इसपर सिल्वा ने कहा, मैंने कभी कॉल की कोशिश नहीं की, क्योंकि उन्हें (ट्रंप को) को कभी बात ही नहीं करनी थी। खास बात है कि ट्रंप ने का था कि ब्राजील के राष्ट्रपति उन्हें कभी भी कॉल कर सकते हैं। अब सिल्वा ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के लोग बात नहीं करना चाहते हैं।

किस बात से हैं खफा : बीबीसी से बातचीत में सिल्वा ने ट्रंप के काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि

टैरिफ के बारे में उन्हें ब्राजील के अखबारों से पता चला। उन्होंने कहा कि यह बातचीत करने का अच्छा तरीका नहीं है। उन्हें ट्रंप के सोशल मीडिया पर टैरिफ की जानकारी पोस्ट करने पर भी आपत्ति जताई। जब उनसे ट्रंप के साथ रिश्ते को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, कोई रिलेशन नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे ट्रंप से संबंध नहीं हैं, क्योंकि जब ट्रंप पहली बार चुने गए थे, तब मैं राष्ट्रपति नहीं था। उनके संबंध बोलसोनारो से हैं, ब्राजील से नहीं। साथ ही उन्होंने कहा, ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हो सकते हैं, लेकिन दुनिया के सम्राट नहीं हैं।

ब्राजील और भारत, दुनिया के सिर्फ दो ही मुल्क हैं जो अमेरिका की तरफ से भारी टैरिफ का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने भारत पर शुरुआत में 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था और बाद में 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। इतना ही नहीं उन्होंने भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर जुर्माना भी लगाया था।

अफगानिस्तान को आतंक मुक्त करने के लिए यूएन में बोला भारत- लश्कर और जैश संगठनों पर वैश्विक कार्रवाई जरूरी

शिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में रत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी गठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-हम्मद पर बड़ा हमला बोला है। भारत ने फ कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह निश्चित करे कि ये संगठन और उनके दगार अफगानिस्तान की जमीन का तेमाल आतंकवाद फैलाने के लिए अब र न कर सकें। यह संदेश भारत के स्थायी तेनिधि पी. हरीश ने सुरक्षा परिषद की फगानिस्तान पर बैठक में दिया।

हरीश ने कहा कि भारत लगातार फगानिस्तान की स्थिति पर नजर रख रहा अफगानिस्तान और भारत के बीच गहरा भ्यतागत रिश्ता है और इसी कारण शांति र स्थिरता भारत के लिए बेहद अहम है। होंने जोर देकर कहा कि आतंकियों के ए किसी भी तरह की जगह छोड़ना दुनिया र खासकर इस क्षेत्र के लिए खतरनाक है।

भारत की कड़ी कार्रवाई की मांग : भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर इस बात पर जोर दिया है कि आतंकवाद का मुकाबला करने में सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। हरीश ने कहा कि यूएनएससी द्वारा घोषित आतंकी संगठन, चाहे वह आईएसआईएस हो, अल-कायदा हो या फिर पाकिस्तान समर्थित लश्कर और जैश, इन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भारत का जोर : हरीश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहमति का पक्षधर है। भारत ने दोहा और अन्य क्षेत्रीय बैठकों में भी सक्रिय भागीदारी की है ताकि शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर दो बार अफगान कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से बात कर चुके हैं। भारत ने अफगानिस्तान की ओर से 22 अप्रैल को

पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा का भी स्वागत किया।

आतंकवाद पर नई रणनीति की मांग : भारत का कहना है कि केवल दंडात्मक कदमों से समस्या हल नहीं होगी। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान के लिए नई और व्यावहारिक नीति की जरूरत है। सिर्फ प्रतिबंध या पुराने तरीकों से आगे नहीं बढ़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि जैसा चल रहा है वैसा ही चलता रहे वाली नीति से कोई फायदा नहीं होगा। जरूरत है कि सकारात्मक रवैये को प्रोत्साहित किया जाए और नकारात्मक गतिविधियों को हतोत्साहित किया जाए।

मानवीय सहायता में भारत सबसे आगे : हरीश ने अफगानिस्तान में आए भूकंप का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सबसे पहले राहत पहुंचाने वाले देशों में शामिल था। भारत ने 1,000 परिवारों के लिए टेंट और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी। इसके अलावा 21 टन राहत सामग्री जिसमें दवाएं, हाइजीन किट, कंबल और जनरेटर शामिल थे, भी भेजे गए। आने वाले दिनों में और मदद भेजी जाएगी।

अफगान जनता की मदद में भारत का योगदान : अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद भारत लगातार मदद भेज रहा है। अब तक भारत ने 50,000 टन गेहूं, 330 टन से ज्यादा दवाएं और टीके, 40,000 लीटर कीटनाशक और कई अन्य आवश्यक सामग्री भेजी हैं। इसके अलावा भारत ने यूएनओडीसी के सहयोग से महिलाओं पर केंद्रित नशामुक्ति कार्यक्रमों के लिए भी मदद दी है।

विकास परियोजनाओं के जरिए भारत का भरोसा : भारत का कहना है कि अफगानिस्तान की विकास जरूरतें पूरा करना उसकी प्राथमिकता है। भारत ने वहां 500 से ज्यादा विकास परियोजनाएं पूरी की हैं। भारत का मानना है कि शांति और स्थिरता तभी संभव है जब वहां के लोग गरीबी, बीमारी और भुखमरी से बाहर निकलें।

भारत ने दोहराया कि अफगानिस्तान की मदद के लिए उसकी प्रतिबद्धता गैर-समझौतावादी है। भारत सभी संबंधित पक्षों के साथ जुड़कर अफगानिस्तान को एक शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध देश बनाने के लिए काम करता रहेगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम से 'लव जिहाद' के आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने दबोचा

होटल का सफाई सुपरवाइज़र युवती को बहला-फुसलाकर ले गया, युवती को सुरक्षित परिवार को सौंपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर के पास के एक गांव की 20 वर्षीय युवती के लापता होने पर परिवार ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि युवती के घर के पास किराए पर रहने वाला असम निवासी सोइफ अब्दुल मनाफ उद्दीन, जो गांधीनगर के एक होटल में सफाई सुपरवाइज़र के तौर पर काम करता था, उसने युवती को प्रेमजाल में फँसाया। बाद में युवती को बहला-फुसलाकर हवाई जहाज से असम ले गया। गुजरात में लव जिहाद जैसी गतिविधियों को कोई स्थान नहीं है और ऐसे अपराध में शामिल आरोपियों को क़ानून का सख्त संदेश दिया जाएगा। यह बात गृहराज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कही। उन्होंने असम से आरोपी को पकड़कर युवती को सुरक्षित वापस लाने पर गांधीनगर पुलिस टीम को बधाई दी।

इस घटना में 'लव जिहाद' की शंका जताते हुए युवती के परिवार ने पुलिस अधीक्षक रवी तेजा वासमशेट्टी से संपर्क किया। इसके बाद डीआईजी वीरेन्द्रसिंह यादव और एसपी रवी तेजा वासमशेट्टी के मार्गदर्शन में डिप्टी एसपी दिव्यप्रकाश गोहिल की देखरेख में LCB-1 और सेक्टर-7 पुलिस स्टेशन की टीमों ने तत्काल जांच शुरू की।

आरोपी सोइफ असम पहुंचने के बाद मोबाइल को फ्लाइट मोड पर रखकर केवल वाई-फाई से व्हाट्सएप कॉलिंग करता था, जिसके कारण उसका लोकेशन ट्रेस करना बेहद मुश्किल था। इसके बावजूद, एक हफ्ते तक गांधीनगर पुलिस की टीम ने असम के अलग-अलग जिलों में ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपी और युवती की तलाश जारी रखी।

आखिरकार कल असम के होजाई जिले के मुराजार पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एक गांव से आरोपी सोइफ को पकड़ लिया गया। पुलिस ने युवती को सुरक्षित मुक्त कराकर गांधीनगर वापस लाकर उसके परिवार को सौंप दिया।

इस पूरी कार्रवाई में शामिल अधिकारियों में LCB-1 के पीआई डी.बी. वाला और जे.जे. गढ़वी, सेक्टर-7 के पीआई बी.बी. गोयल और एम.एन. देसाई, पीएसआई यू.एम. गढ़वी और अन्य स्टाफ शामिल रहे। इस सराहनीय कार्रवाई के ज़रिए गांधीनगर पुलिस ने ऐसे अपराधों को रोकने और युवतियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सशक्त संदेश दिया है।

कीर्ति की साउथ स्टाइल एंट्री

93 दिन बाद जेल से बाहर आकर पोस्ट किया रील और कहा - 'कैम छो, मज़ामा?'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात की जानी-मानी और विवादित सोशल मीडिया स्टार कीर्ति पटेल आखिरकार 93 दिन के सूरत जेलवास के बाद बाहर आ गई हैं। कोर्ट से जमानत मंजूर होते ही उनके चाहने वालों में खुशी का माहौल देखने को मिला। बाहर आते ही कीर्ति पटेल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील पोस्ट कर दी, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी।

जेल से बाहर आते ही कीर्ति पटेल ने आदित्य गढवी के मशहूर सॉन्ग 'हे जोने सिंहन गजवे गिर' पर रील बनाई। वीडियो में वह कार से नीचे उतरती हैं और फिर ब्लेज़र पहन लेती हैं। इस रील के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा - "कैम छो, मज़ामा. ??

इस वीडियो की खासियत यह रही कि कीर्ति पटेल पूरी तरह साउथ इंडियन लुक में नजर आईं। उन्होंने काले रंग की लुंगी और बूट पहना हुआ था। धीरे-धीरे चलते हुए वह आगे बढ़ीं और ब्राउन कलर का ब्लेज़र पहन लिया। फिर उन्होंने हाथ ऊपर कर स्ट्रेच करते हुए अंदाज दिखाया और काले चश्मे लगाकर दोनों हाथ जोड़कर दर्शकों का अभिवादन किया।

सोशल मीडिया पर उनके इस लुक को फैंस ने खूब पसंद किया और जमकर कमेंट किए। एक फॉलोवर ने लिखा - "सच में पूरा गुजरात इंतज़ार कर रहा था कि कब कीर्तिबेन बाहर आएंगी। इस पर कीर्ति ने रिप्लाई किया - आज पूरी हुई। गौरतलब है कि कीर्ति पटेल पहले भी कई विवादों के चलते जेल जा चुकी हैं। बावजूद इसके उनकी पॉपुलैरिटी और फैंस का प्यार बना हुआ है। जेल से निकलने के बाद उनकी यह पहली पोस्ट सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया पा रही है।

सूरत में एक घंटे में साढ़े चार इंच बारिश निचले इलाकों में भरा पानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में पिछले तीन दिनों से मेघराजा जमकर बरस रहे हैं, जिसके कारण सूरत के कई इलाकों में बारिश का पानी भर गया है। खासकर रात में असहनीय गर्मी और उमस के बाद सुबह से ही शुरू हुई झमाझम बारिश ने मौसम को ठंडा कर दिया। लिंबायत इलाके में तो मेघराजा ने रौद्र रूप दिखाया, जहां मात्र एक घंटे में साढ़े चार इंच तक तेज बारिश हुई।

शहर के अन्य इलाकों जैसे कि पीपलौद, अठवा, गडुमस रोड, वराछा, सिटीलाइट, अडाजन, रांदेर, डुमस और उधना में भी जोरदार बारिश हुई। भारी बारिश के चलते निचले इलाकों में पानी भर गया। उधना तीन रास्ता जैसे मुख्य मार्गों पर घुटनों तक पानी भर जाने से यातायात पर गंभीर असर पड़ा। कई वाहन रास्ते में ही बंद हो गए, जिससे लंबे ट्रैफिक जाम के हालात बने।

बारिश के पानी के कारण सड़कों पर दृश्यता (विज़िबिलिटी) भी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। नौकरी-धंधे पर जाने वाले लोग और विद्यार्थी रास्ते में फंस गए। हालांकि, जहां एक ओर बारिश ने मुश्किलें खड़ी कीं, वहीं दूसरी ओर लोगों को असहनीय गर्मी और उमस से बड़ी राहत भी मिली।

पिछले कुछ दिनों से पड़ रही गर्मी के बाद मौसम ठंडा होने से लोगों ने राहत की सांस ली। महानगरपालिका द्वारा पानी निकासी के काम शुरू किए गए हैं, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में स्थिति विकट बनी हुई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना जताई है, जिसके चलते प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

गिर के फार्महाउस से हाई-प्रोफाइल शराब पार्टी पकड़ी गई

अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, मोरबी और राजस्थान की चार युवतियों समेत 11 गिरफ्तार,10 लाख का माल बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जूनागढ़ के गिर क्षेत्र में स्थित एक फार्महाउस में चल रही शराब की हाई-प्रोफाइल पार्टी पर पुलिस ने छापा मारकर चार युवतियों समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, मोरबी और राजस्थान के निवासी शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल से 10.53 लाख रुपये का माल जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अंबाला गांव की सीमा में स्थित गिर नेचुरल फार्म में कुछ पुरुष और महिलाएं शराब की महफ़िल मना रहे हैं। जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और छापा मारा।

फार्महाउस से शराब पार्टी का आनंद ले रहे कुल 11 लोगों को पकड़ा गया, जिनमें 7 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल थीं। ये सभी लोग गुजरात के अलग-अलग शहरों जैसे राजकोट, मोरबी, सूरत, अहमदाबाद और राजस्थान के उदयपुर के रहने वाले हैं।

गिर खोरासा के मेहुल बारड ने ही इस पार्टी का आयोजन किया था। उसके खिलाफ पहले भी चोरवाड़ पुलिस स्टेशन में मामले दर्ज हो चुके हैं। इस केस में एक आरोपी मानसिंह सिसोदिया मौके पर नहीं मिला, इसलिए उसे वांटेड घोषित किया गया है।

पुलिस ने घटनास्थल से 55,080 रुपये की भारतीय निर्मित विदेशी शराब और अन्य कीमती सामान समेत कुल 10,53,080 रुपये का माल जब्त किया। मेंदरडा पुलिस स्टेशन में सभी आरोपियों के खिलाफ गुजरात निषेध संशोधन अधिनियम (2016) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। इस केस की आगे की जांच एएसआई ए.एच. हेरभा कर रहे हैं। सफल कार्रवाई में मेंदरडा पुलिस के पी.सी. सरवैया और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

गिरफ्तार लोगों के नाम

* मेहुल हरदासभाई बारड (निवासी गिर खोरासा, हाल अंबाला)
* मुकेश नरशीभाई पंसारा (निवासी राजकोट)
* केवल अर्जुनभाई चोवटिया (निवासी राजकोट)
* दर्शिन जगदीशभाई छत्राला (निवासी राजकोट)
* हरीशकुमार जसवंतभाई भेंसदड़िया (निवासी मोरबी)
* मनीष जीवनभाई रगीया (निवासी मोरबी)
* धवल खीमजीभाई घोडासरा (निवासी मोरबी)

पुलिस कमिश्नर की पत्नी संग DCP भक्तिबा डाबी ने गरबा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डुमस रोड स्थित केसरिया एसी डोम में पुलिस परिवार के लिए एक प्री-नवरात्रि का आयोजन किया गया। इसमें गुजराती सिंगर ऐश्वर्या मजमुदार ने अपने सुरों स

पुलिस परिवार सहित सभी खिलाड़ियों को गरबा की ताल पर झूमने पर मजबूर कर दिया। सूरत पुलिस कमिश्नर ने पत्नी संग गरबा किया, वहीं महिला DCP समेत कई अधिकारी भी डांडिया में थिरके। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पारंपरिक वेशभूषा में शी टीम भी मौजूद रही।

जैसे ही ऐश्वर्या मजमुदार ने मंच संभाला, उपस्थित सभी में जोश आ गया। पुलिस परिवार के लिए आयोजित इस प्री-नवरात्रि में बड़ी संख्या में पुलिस कांस्टेबल, पीआई, एसीपी, डीसीपी, जेसीपी और पुलिस कमिश्नर भी परिवार संग पहुंचे और गरबा किया। महिला अधिकारी, जो सामान्यत: पुलिस यूनिफॉर्म में दिखती हैं, वे पारंपरिक परिधानों में नज़र आईं।

कार्यक्रम में महिला अधिकारी DCP भक्तिबा डाबी, DCP कानन देसाई, पुलिस कमिश्नर की पत्नी और महिला पीआई समेत कई ने ऐश्वर्या मजमुदार के सुरों पर गरबा किया। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए पारंपरिक वेशभूषा में मौजूद शी टीम ने कुछ कथित टपोरियों को पकड़कर सुरक्षा का सबक भी सिखाया।

सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने कहा कि 22 सितंबर से माँ शक्ति की आराधना का पर्व आ रहा है, जिसके लिए पूरी पुलिस टीम बैंडोबस्त में जुटने जा रही है। शहर में छोटे-बड़े लगभग 1000 गरबा आयोजन होंगे और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, हमारे पुलिस परिवार के लिए नवरात्रि से पहले गरबा आयोजन का मौका मिला। सभी अधिकारी और उनके परिवार गरबा का आनंद ले रहे हैं। हम सभी से अपील करते हैं कि आप गरबा अच्छे से खेलें, एंजॉय करें, लेकिन ध्यान रखें कि किसी को परेशानी न हो। गरबा खत्म होने के बाद घर जाते समय वाहन धीरे-धीरे चलाएं। आप सुरक्षित रहें, और पुलिस को सहयोग देते रहें।

फिक्स वेतन की मांग के साथ मामलतदार को दिया आवेदनपत्र

आशा वर्कर और फ़ैसिलिटेटर बहनों ने काम से अलग रहकर दर्ज कराया विरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पंचमहल जिले के शेहरा तालुका की आशा वर्कर और फ़ैसिलिटेटर बहनों ने 'टेको' ऐप और आंखों की स्क्रीनिंग के काम को लेकर विरोध जताया है। विरोध कर रही बहनों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक वे काम से अलग रहेंगी। आशा वर्कर और फ़ैसिलिटेटर बहनों ने फिक्स वेतन की मांग करते हुए तालुका स्वास्थ्य अधिकारी और मामलतदार को आवेदनपत्र सौंपा।

पंचमहल जिले के शेहरा तालुका सेवा सदन में आशा वर्कर और फ़ैसिलिटेटर बहनें इकट्ठी होकर 'टेको' ऐप और आंखों की स्क्रीनिंग के काम का विरोध किया। उनका कहना है कि जब तक मेहनताना नहीं मिलेगा और समाधान नहीं होगा, तब तक वे इन कार्यों से अलग रहेंगी।

बहनों ने दिए गए आवेदनपत्र में कहा कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टेको का काम करने का आदेश दिया गया है, लेकिन इसमें कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं। यदि लाभार्थी घर पर न हो या बाहर गाँव चला गया हो और उसी दिन उसका फोटो अपलोड न हो पाए तो इंसेंटिव नहीं मिलता। ऐसे में काम करने के बावजूद इंसेंटिव खोना पड़ता है। साथ ही त्योहारों के दिनों में भी टेको का काम अनिवार्य बताया गया है। ऐसे में घर-परिवार वाली आशा वर्कर बहनें त्योहार भी न मनाएँ?

बहनों का कहना है कि टेको का काम करने का आदेश दिया गया है, लेकिन उसका इंसेंटिव घोषित नहीं किया गया। टेको में मुफ्त में काम कराना उन्हें मंजूर नहीं। टेको में काम करने के लिए अच्छे क्वॉलिटी का मोबाइल चाहिए, इसलिए उन्होंने गुजरात सरकार से मोबाइल की मांग की है। साथ ही रिचार्ज कौन कराएगा, यह भी एक सवाल है। नेटवर्क कवरेज की समस्या आने पर फोटो अपलोड न हो पाए तो इंसेंटिव की गिनती नहीं होती। लेकिन मेहनताना कितना मिलेगा, यह भी स्पष्ट नहीं किया गया। उनका आरोप है कि उनसे मुफ्त में लगातार काम करवाया जा रहा है।

विरोध कर रही बहनों ने चेतावनी दी कि टेको से संबंधित HBNC, HBYC, PMJY, NCD, PMMVY जैसे कार्य और आंखों की स्क्रीनिंग सहित अन्य मुफ्त कामों का मेहनताना न मिला और उन्हें फिक्स वेतन में शामिल न किया गया तो वे सामूहिक रूप से कार्य से अलग रहेंगी।

एक आशा वर्कर ने कहा - हमें आंखों का डॉक्टर बना दिया, मोबाइल में डेटा एंट्री का काम सौंप दिया जो हमें आता नहीं। अब तो रिचार्ज भी महंगा हो गया है। हमें 3 हजार रुपये से ज्यादा वेतन नहीं मिलता, ऐसे में हम कैसे काम करें? गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी के समय आधी रात को भी हमें घर-परिवार छोड़कर जाना पड़ता है, फिर भी उचित मेहनताना नहीं मिलता। इसलिए हमें फिक्स वेतन दिया जाए।

"द हेरिटेज वॉक" फैशन शो का हुआ आयोजन प्रोग्राम किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,महाराजा अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा साड़ी में नारी-संस्कृति हमारी थीम पर "द हेरिटेज वॉक" फैशन शो का आयोजन शुक्रवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इंपीरियल हॉल में किया गया। आयोजन में महिलाओं एवं लड़कियों ने भारत के अलग-अलग राज्यों में पहनने वाली साड़ियों को पहन कर रैंप वाक किया। अलग-अलग ग्रुप में विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट में अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला, ब्रिजमोहन अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, वसंत अग्रवाल, नंदकिशोर तोला, अशोक सिंघल, जीवनराम सिंघल, विश्वनाथ पचेरिया महिला शाखा की अध्यक्षा मनीषा कजरिया, किरण चोकडिका, इंदिरा अग्रवाल, रेखा रूंगटा, स्मिता अग्रवाल, निहारिका अग्रवाल, सुमन पंसारी, सुधा अग्रवाल, रितु अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, कमलकांता झुनझुनवाला, सपना अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

महेसाणा के विजापुर में अंधविश्वास का क्रूर चेहरा चरित्र पर शक कर विवाहित महिला से उबलते तेल में हाथ डलवाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आधुनिक युग में भी समाज को शर्मसार कर देने वाला अंधविश्वास का एक घृणित मामला महेसाणा जिले के विजापुर तालुका के गेरीता गांव से सामने आया है। यहां एक विवाहित महिला के चरित्र पर शक कर उसकी पवित्रता साबित करने के लिए ससुरालवालों ने उसे उबलते तेल में हाथ डालने पर मजबूर किया। इतना ही नहीं, पीड़िता पर गर्म तेल डालने का भी आरोप है। इस मामले में पुलिस ने पीड़िता की ननद और नंदोई समेत चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विजापुर तालुका के गेरीता गांव में रहने वाली एक विवाहित महिला पर किसी अन्य पुरुष से संबंध होने का शक जताकर उसकी पवित्रता साबित करने का दबाव डाला गया। समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वास के चलते ससुरालवालों ने 'अग्निपरीक्षा' जैसी प्रथा अपनाई। आरोप है कि पीड़िता को गर्म उबलते तेल की कड़ाही के पास ले जाकर उसमें हाथ डालने के लिए मजबूर किया गया। इस अमानवीय कृत्य से भी संतोष न मिलने पर पीड़िता के पैरों पर भी उबलता तेल डाला गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई।

विजापुर पुलिस ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए पीड़िता की ननद, नंदोई समेत कुल चार ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और अंधविश्वास के नाम पर हो रहे